■ श्रावण शुक्ल - 13 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 9 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 31-07-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 बृजभूषण का दावा, 22 राज्य इकाईयों ने उनकी बैठक में हिस्सा लिया

6 खोजें अपनी जिंदगी का उद्देश्य एवं सकारात्मक दिशाएं

7 लंदन का ऐतिहासिक रॉयल अल्बर्ट हॉल एक बार फिर लता मंगेशकर के गीतों से गूंजा

फर्स्ट टेक

जी5 पर 11 अगस्त से 'द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड' का प्रसारण

मुंबई/भाषा। निर्देशक विवेक अग्निहोत्री द्वारा निर्देशित सीरीज 'द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड' 11 अगस्त से जी5 पर प्रसारित होगी। जी5 ने शनिवार को अपने आधिकारिक ट्वीटर हैंडल पर शो की तारीख की घोषणा की। इसने एक ट्वीट में कहा, क्या आप अभी तक 'द कश्मीर फाइल्स' की भयावहता से उबर नहीं पाए हैं? क्या होगा....अगर वो सिर्फ पूरी कहानी की मात्र शुरुआत भर हो....तैयार हो जाइए, क्योंकि विवेक अग्निहोत्री वापस आ रहे हैं...11 अगस्त से जी5 पर 'द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड' के साथ। अग्निहोत्री ने पूर्व में बताया था कि 'द कश्मीर फाइल्स अनरिपोर्टेड' में रिसर्च, पुरानी फुटेज और 2022 में उनकी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' के लिए उनके द्वारा लिए गए साक्षात्कार शामिल हैं।

थाईलैंड में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से दस लोगों की मौत, 100 घायल

बैंकॉक/वार्ता। थाईलैंड के दक्षिणी नाराथिवाट प्रांत में शनिवार को एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट के कारण कम से कम दस लोगों की मौत हो गई और 118 घायल और झुलस गए इसके अलावा 200 से अधिक आवासीय सुविधाएं और एक स्थानीय बाजार भी दुर्घटना से प्रभावित हुआ। थाई मीडिया ने बताया कि विस्फोट दोपहर करीब 03:00 बजे हुआ। थायरथ दैनिक समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार मलेशिया की सीमा से लगे थाई शहर सु-नगाई कोलोक में निर्माणाधीन आतिशबाजी कारखाने के एक गोदाम में विस्फोट हुआ।

पाकिस्तान में राजनीतिक दल के कार्यकर्ता सम्मेलन में विस्फोट में 35 लोगों की मौत

पेशावर/भाषा। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में रविवार को एक इस्लामी राजनीतिक दल के एक सम्मेलन में हुए विस्फोट में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई, जबकि 150 अन्य घायल हो गए। पुलिस और आपात सेवा के सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह विस्फोट बाजौर कबायली जिले में शाम करीब चार बजे जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के कार्यकर्ता सम्मेलन में हुआ। पुलिस और आपात सेवा के सूत्रों ने बताया कि इस विस्फोट में कम से कम 35 लोगों की मौत हो गई और करीब 150 अन्य घायल हो गए। किसी भी समूह ने इस हमले की अभी तक जिम्मेदारी नहीं ली है।

सूर्यास्त 31-07-2023 6:47 बजे	सूर्योदय 01-08-2023 6:05 बजे
BSE 66,160.20 (-106.62)	NSE 19,646.05 (-13.85)
सोना 6,195 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 77,080 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सबकुछ बाँटो

प्रतिबंधित एयरस्पेस हुए,
अवरोध बने सीमाओं पे।
नदियों का जल भी बाँट लिया,
झगड़ा वृक्षों की छाँहों पे।
सागर के पानी पर लकीर,
भूगर्भ युद्ध के दावों पे।
बादल खुशबू अरदास करे,
अंकुश ना लगे हवाओं पे।।

'मन की बात' कार्यक्रम

'बरसात में पेड़ लगाएं, पानी बचाएं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बरसात के समय में लोगों को पेड़ लगाने और पानी बचाने का आग्रह किया है । मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा कि जुलाई का महीना यानि मानसून का महीना, बारिश का महीना है । बीते कुछ दिन, प्राकृतिक आपदाओं के कारण, चिंता और परेशानी से भरे रहे हैं। यमुना समेत कई नदियों में बाढ़ से कई इलाकों में लोगों को तकलीफ उठानी पड़ी है। पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की घटनाएँ भी हुई हैं। इसी दौरान, देश के पश्चिमी हिस्से में, कुछ समय पूर्व गुजरात के इलाकों में, बिपरजॉय साइकिलों भी आया। लेकिन साथियो, इन आपदाओं के बीच, हम सब देशवासियों ने फिर दिखाया है, कि, सामूहिक प्रयास की ताकत क्या होती है। स्थानीय लोगों ने, हमारे एन डी आर एफ के जवानों

ने, स्थानीय प्रशासन के लोगों ने, दिन-रात लगाकर ऐसी आपदाओं का मुकाबला किया है। किसी भी आपदा से निपटने में हमारे सामर्थ्य और संसाधनों की भूमिका बड़ी होती है - लेकिन इसके साथ ही, हमारी संवेदनशीलता और एक दूसरे का हाथ थामने की भावना, उतनी ही अहम होती है। सर्वजन हिताय की यही भावना भारत की पहचान भी है और भारत की ताकत भी है। उन्होंने कहा कि बारिश का यही समय 'वृक्षारोपण' और 'जल संरक्षण' के लिए भी उतना ही जरूरी होता है। आजादी के 'अमृत महोत्सव' के दौरान बने 60 हजार से ज्यादा अमृत सरोवरों में भी रौनक बढ़ गई है। अभी 50 हजार से ज्यादा अमृत सरोवरों को बनाने का काम चल भी रहा है। हमारे देशवासी पूरी जागरूकता और जिम्मेदारी के साथ 'जल संरक्षण' के लिए नए-नए प्रयास कर रहे हैं।

भावी पीढ़ी को नशे से बचाना होगा : मोदी

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भावी पीढ़ी को नशे के चुंगल से बचाने का आह्वान करते हुए रविवार को कहा कि इसके लिए मिलकर और सभी स्तरों पर प्रयास करने होंगे। मोदी ने आकाशवाणी पर अपनी मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 103 वें संस्करण में राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि देश में वर्ष 2020 से नशा मुक्ति अभियान चल रहा है। इसमें युवा बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और इसे सफलता मिल रही है। उन्होंने जम्मू कश्मीर, पंजाब, चंडीगढ़ और मध्य प्रदेश में नशा मुक्ति अभियानों और उनकी सफलताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसके लिए सभी को एक साथ जोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में म्यूजिकल नाइट्स, ऊंची पहाड़ियों पर बाइक राइड्स, चंडीगढ़ में स्थानीय क्लब और पंजाब में खेल समूह नशा मुक्ति अभियान का परिणाम है। इनसे युवाओं को नशे के चुंगल से बचाने में मदद मिल रही है। ये गतिविधियां वास्तव में नशे के खिलाफ सशक्त अभियान है। मोदी ने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान में युवाओं की बढ़ती भागीदारी बहुत उत्साह बढ़ाने वाली है। ये प्रयास, भारत में नशे के खिलाफ अभियान को बहुत ताकत देते हैं। हमें देश की भावी पीढ़ियों को बचाना है, तो उन्हें, मादक द्रव्य से दूर रखना ही होगा।

सिंगापुर के सात उपग्रह निर्धारित कक्षाओं में सफलतापूर्वक स्थापित

■ इसरो ने सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से पीएसएलवी-सी56 रॉकेट से प्रक्षेपित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने यहां सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से सिंगापुर के सात उपग्रहों को ले जा रहे अपने भरोसेमंद पीएसएलवी रॉकेट का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया और इन उपग्रहों को उनकी निर्धारित कक्षा में स्थापित किया।

इसरो ने बताया कि प्रक्षेपण के करीब 23 मिनट बाद प्रमुख उपग्रह रॉकेट से अलग हुआ। इसके बाद छह अन्य उपग्रह भी अलग हुए और अपनी-अपनी निर्धारित कक्षा में स्थापित हुए। इस महीने बहुप्रतीक्षित चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के बाद यह इसरो का एक और समर्पित मिशन है, जिसकी कमान उसकी वाणिज्यिक इकाई 'न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड' संभाल रही है।

इसरो के चेयरमैन एस सोमनाथ ने कहा, प्रमुख उपग्रह डीएस-एसएआर और छह अन्य उपग्रहों समेत सात उपग्रहों को ले जा रहे पीएसएलवी-सी56 ने इन्हें सफलतापूर्वक निर्दिष्ट कक्षाओं में स्थापित किया। शनिवार को शुरू हुई 25 घंटे की उलटी गिनती के बाद 44.4 मीटर लंबे रॉकेट को रविवार सुबह छह बजकर 30 मिनट के निर्धारित समय से एक मिनट बाद सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से प्रक्षेपित किया गया।

इसरो इस साल 'रोमांचक' अभियानों की तैयारी कर रहा है : एस सोमनाथ

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने रविवार को यहां कहा कि इस साल एक जीएसएलवी प्रक्षेपण समेत रोमांचक अभियानों की तैयारी करने के साथ ही अंतरिक्ष एजेंसी ने अगले कुछ महीनों में कई गतिविधियों की योजना बनाई है। बेंगलूरु स्थित अंतरिक्ष एजेंसी के भविष्य के अभियानों की जानकारी देते हुए सोमनाथ ने कहा, हम जल्द ही अगस्त या सितंबर की शुरुआत में एक और पीएसएलवी मिशन के साथ वापसी कर रहे हैं। उन्होंने मिशन नियंत्रण केंद्र से कहा, इस साल ही हमारे कई रोमांचक अभियान है। पीएसएलवी फिर उड़ान भरने जा रहा है। हम गगनयान परीक्षण यान ला रहे हैं जिसके पुर्जों को अभी जोड़ा जा रहा है।

करुणा भाव से कर्तव्य निभाना ही समाज के प्रति सच्ची सेवा है : भागवत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि करुणा भाव से कर्तव्य निभाना ही समाज के प्रति सच्ची सेवा है। भागवत ने यहां धर्मवीर आनंद दिघे कैंसर अस्पताल और एक मंदिर परिसर की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, दुख दूर करने की भावना के साथ और बिना किसी स्वार्थ और अहंकार के मानव जाति की सेवा करना दूसरों के प्रति अपने कर्तव्य को समझना है। उन्होंने

कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य रोटी, कपड़ा और मकान की तरह समान रूप से महत्वपूर्ण है, लेकिन सुविधाएं अपर्याप्त हैं और सस्ती तथा सुलभ स्वास्थ्य संरचना समय की मांग है।

भागवत ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रस्तावित कैंसर अस्पताल से समाज को लाभ होगा क्योंकि यह दुख और कठिनाइयों को दूर करने की वास्तविक भावनाओं के साथ शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा, जीवन बचाना ईश्वर की सेवा है और इससे लोगों को आशा मिलती है कि वे अकेले नहीं हैं। उन्होंने अस्पताल परियोजना के लिए आरएसएस की ओर से हरसंभव मदद का आश्वासन दियाा।

मिजोरम ने बायोमैट्रिक विवरण एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू की

आइजोल/भाषा। मिजोरम की सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद म्यांमा के नागरिकों का बायोमैट्रिक विवरण एकत्र करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। म्यांमा में सेना के तख्तापलट करने के बाद फरवरी 2021 से म्यांमा के लगभग 30 हजार से ज्यादा नागरिक मिजोरम में शरण ले चुके हैं। राज्य के गृह विभाग के विशेष कर्तव्य अधिकारी-संयुक्त सचिव डेविड एच. ललथांगलियाना ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि बीते सप्ताह सभी 11 जिलों में म्यांमा के नागरिकों का बायोमैट्रिक विवरण दर्ज करने के लिए पायलट परियोजना शुरू की गई थी।

'भारत जितना अधिक आत्मनिर्भर होगा, उत्पादन में आत्मनिर्भरता उतनी अधिक होगी'

गांधीनगर/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि अगर महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियां (सीईटी) शक्ति के नए आयाम के रूप में उभरें, तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं होगी। उन्होंने साथ ही जोड़ा कि सीईटी क्षेत्र में चिंता इस बात की है कि बाजार हिस्सेदारी किस तरह प्रभावित होती है और उत्पादन में प्रभुत्व का अन्य क्षेत्रों में क्या लाभ उठाया जाता है।

जयशंकर ने यहां आयोजित 'सेमीकॉन इंडिया-2023' कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये संबोधित करते हुए कहा कि सीईटी के संबंध में आविष्कार और विनिर्माण, बाजार हिस्सेदारी, संसाधन और कौशल जैसे पहलू महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि भारत जितना अधिक आत्मनिर्भर होगा, सेमीकंडक्टर उत्पादन में भी उसकी आत्मनिर्भरता उतनी अधिक होगी। उन्होंने 'महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत की भूमिका' विषय पर अपने संबोधन में कहा, यह (सीईटी) ज्ञान अर्थव्यवस्था का एक आंतरिक तत्व है, जिसका प्रभाव लगातार बढ़ रहा है। इसकी प्रमुख विशेषताओं में एक है कि यह प्रौद्योगिकियों को इतनी गहराई से जोड़ता है कि हमारे जीवन के सभी हिस्से इससे बहुत अधिक प्रभावित होते हैं।

शाह ने मध्यप्रदेश में फूंका भाजपा का चुनावी शंख

'नाम बदलने से भी नहीं मिलेंगे वोट'

कांग्रेस ने 70 साल धारा 370 को बच्चे की तरह गोद में पाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/वार्ता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश में आगामी विधानसभा के पूर्व आज विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' को परोक्ष रूप से निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने 70 साल धारा 370 को बच्चे की तरह गोद में पाला है और क्या ऐसे लोगों को नाम बदलने के बाद भी वोट दिया जा सकता है।

शाह यहां भारतीय जनता पार्टी के संभाग स्तरीय बूथ अध्यक्ष सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, भूपेंद्र यादव, अश्विनी वैष्णव, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश

विजयवर्गीय, पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा और प्रदेश के गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भी उपस्थित थे।

केंद्रीय गृह मंत्री ने धारा 370 के हटाए जाने के पीछे पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने 70 साल के शासनकाल में 370 को बच्चे की तरह गोद में पाल कर रखा। कांग्रेस समेत उनके गठबंधन के सभी दल इसे हटाने के विरोध में थे। धारा 370 को संभाल कर रखने वाली कांग्रेस अगर नाम भी बदल ले तो भी क्या अब उसे वोट दिए जा सकते हैं।

इसी क्रम में शाह ने कहा कि अयोध्या में श्री रामलला सैंकड़ों सालों से टेंट में थे। कांग्रेस ने इस मंदिर के निर्माण को भी भटका कर रखा। मोदी के शासनकाल में अदालत का फैसला आया और फिर उन्होंने मंदिर निर्माण की दिशा में काम आगे बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अहिल्या बाई होल्कर के बाद अगर देश के मंदिरों का किसी ने जीर्णोद्धार किया है तो वे देश के प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। उन्होंने पाकिस्तान के बहाने भी कांग्रेस के शासनकाल को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि 'सोनिया-मनमोहन की सरकार' में पाक से कोई भी आकर हमारे देश में हमले कर जाता था और उस समय की सरकार उफ भी नहीं करती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आने के बाद पाकिस्तान भूल गया कि अब भारत में सरकार बदल गई है और उसने उरी और पुलवामा में हमला कर दिया, जिसका बदला मौजूदा सरकार ने 15 दिन के भीतर ही ले लिया।

अहमदाबाद के अस्पताल में आग लगने के बाद 125 मरीजों को सुरक्षित निकाला गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के अहमदाबाद शहर में रविवार को एक 10 मंजिला अस्पताल इमारत के बेसमेंट में आग लगने से परिसर में घना धुआं फैल गया, जिसके बाद एहतियात के तौर पर लगभग 125 मरीजों को बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने कहा यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शहर के साहिबबाग में स्थित राजस्थान

अस्पताल में तड़के करीब साढ़े चार बजे लगी। आग में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं मिली है।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि अस्पताल के बेसमेंट में खड़ा एक चार पहिया वाहन आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया।

यूक्रेन के साथ शांति वार्ता को अस्वीकार नहीं करता रूस : पुतिन

मॉस्को/वार्ता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि वह यूक्रेन के साथ शांति वार्ता के विचार को खारिज नहीं करते हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन ने सेंट पीटर्सबर्ग में अफ्रीकी नेताओं से मुलाकात के बाद कहा कि अफ्रीकी और चीनी पहल शांति खोजने के लिए आधार बन सकती हैं। पर, उन्होंने यह भी कहा कि जब तक यूक्रेनी सेना आक्रामक है तब तक कोई युद्धविराम नहीं हो सकता।

पुतिन के बयान के कुछ घंटों बाद रूस ने कहा कि मॉस्को पर यूक्रेनी ड्रोन हमले ने दो कार्यालय ब्लॉकों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने बताया कि शहर के केंद्र के दक्षिण-पश्चिम में वनुकोवो हवाई अड्डे से उड़ानें थोड़ी देर के लिए निलंबित कर दी गईं और एक

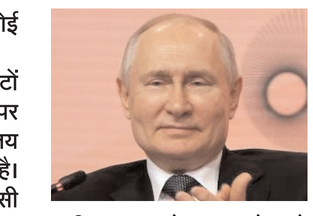

व्यक्ति घायल हो गया। यूक्रेन ने ड्रोन घटना पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

शांति वार्ता पर यूक्रेन और रूस दोनों ने पहले कहा है कि वे कुछ पूर्व शर्तों के बिना बातचीत की मेज पर नहीं आएंगे।

यूक्रेन का कहना है कि वह किसी भी क्षेत्र को नहीं देगा लेकिन रूस का कहना है कि उक्रेन को अपने देश की 'नई क्षेत्रीय वास्तविकता' को स्वीकार करना होगा। रूस ने पिछले साल अपने पड़ोसी पर आक्रमण किया और देश के दक्षिण और पूर्व में क्षेत्र पर कब्जा कर रहा है। पुतिन ने शनिवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूक्रेनी मोर्चे पर फिलहाल कार्रवाई तेज करने की कोई योजना नहीं है। रूस-अफ्रीका शिखर सम्मेलन पिछले महीने सात देशों के नेताओं और प्रतिनिधियों सहित एक अफ्रीकी दल की ओर से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और पुतिन से मुलाकात के बाद हुआ है।

नाइजर में फ्रांसीसी दूतावास पर हमला, रूसी झंडों के साथ निकला मार्च

नियामी (नाइजर)/एपी। इस सप्ताह की शुरुआत में तख्तापलट करके नाइजर की सत्ता पर कब्जा करने वाले सैन्य जुंटा के समर्थन में रविवार को हजारों लोगों ने रूसी झंडों के साथ राजधानी नियामी में मार्च निकाला और इस दौरान फ्रांसीसी दूतावास पर हमला भी किया। इस प्रदर्शन में शामिल लोगों के हाथों में रूसी झंडे थे जो रूसी राष्ट्रपति का नाम लेकर नारेबाजी कर रहे थे और पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस का विरोध कर रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने फ्रांसीसी दूतावास तक मार्च निकाला और उसके दरवाजे को आग के हवाले कर दिया। यह जानकारी घटना के समय दूतावास में मौजूद व्यक्ति ने दिया और संबंधित वीडियो को 'एपी' ने भी देखा है। पूरे शहर में काले धुएं के गुबार उठते नजर आए। नाइजीरियाई सेना ने प्रदर्शनकारियों की भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की।

बेंगलूरु | सोमवार | 31-07-2023 www.dakshinbharat.com /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कामना समाप्त हो जाने पर प्रत्येक व्यक्ति सुखी बन जाता है : साध्वी मणिप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मल्लेश्वरम स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री मणिप्रभाजी ने अपने प्रवचन में जीवन के बारे में बताते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन को दैविक जीवन बनाना चाहता है।

संसार की प्रत्येक दिव्यता को प्राप्त करना चाहता है। परंतु दैवीक जीवन को प्राप्त करने के लिए सबसे पहले अपने जीवन को दूसरे जीवों की रक्षा करने में लगाना पड़ता है। दूसरे जीव को शांत बनाता है तो उसके जीवन में शांति प्राप्त होती है। दैवीक जीवन के बाद व्यक्ति को आध्यात्मिक जीवन की प्राप्ति होती है। साध्वी आस्थाजी ने कहा कि व्यक्ति दूसरों को जानने का प्रयास करता रहता हैं, दूसरे से अधिक साक्षात्कार करता हैं किंतु क्या कभी स्वयं को साक्षात कार करने का प्रयास करता है?

व्यक्ति धन को प्राप्त करना चाहता हैं और धर्म को छोड़ देता हैं। परंतु धन अधिक से अधिक कामना पैदा करता है और धर्म उन कामनाओं को ही समाप्त कर देता है। निष्काम बनाता है और जब कामना समाप्त हो जाती है तो प्रत्येक व्यक्ति सुखी बन जाता है।

आंगी प्रतियोगिता में 80 बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ द्वारा रणजीतगुरु जी के नेतृत्व में व साध्वी यशप्रभाश्रीजी की शिष्या साध्वीश्री परागप्रभाजी, अक्षयप्रभाजी, विरागप्रभाजी व पराथप्रभाजी के सान्निध्य में बच्चों के लिए परमात्मा की आंगी सजाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें पार्श्वनाथ जैन मंदिर में 80 बच्चों ने अपनी अपनी रचनात्मक सोच के अनुसार आंगी सजाई। संघ के समिति सदस्य धीरज बाफ़ना नें बच्चो के इस प्रयास की बहुत अनुमोदना की ।

संघ के अध्यक्ष पंकज बाफ़ना ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिता के आयोजन से बच्चों के हुनर को एक नई दिशा मिलती है, यही बच्चे आगे समाज के कार्यों मे रूचि लेंगे। संघ की ओर से सभी बच्चों को पुरस्कार दिए गए।

समतापूर्वक कर्मफल सहन करने से कर्मो का क्षय होता है : पन्यास जयभानुशेखर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आदिनाथ जैन मंदिर चिकपेट में चातुर्मासार्थ विराजित पन्यासश्री जयभानुशेखरविजयजी ने कहा कि कुकर्म, कुसंस्कार, कुनिमित्त, कुसंग और कुकाल इन पाँच कारणों से जीव संसार में कई भवों तक परिभ्रमण करता है और दु:खी होता है।

कुसंस्कार से राग द्वेष बढ़ते है जिससे संसार बढ़ता है। समतापूर्वक कर्मफल सहन करने से कर्म क्षय जल्दी होते है और मुक्ति जल्दी प्राप्त होती है। मन का पाप काया के पाप से बड़ा होता है अगर प्रायश्चित न लिया हो तो। अनेकों युवकों एवं युवतियों ने चाय के त्याग का संकल्प लिया।

'लॉफिंग एंड शेयरिंग' कार्यक्रम में दी स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित प्रजना इंस्टिट्यूट ऑफ योग एण्ड एलाइड साइन्स 'पियास' के तत्वावधान में रविवार को सुबह प्राकृतिक चिकित्सा की जानकारी देने के लिए में 'लाफिंग एंड शेयरिंग' कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें प्राकृतिक चिकित्सा के विशेषज्ञों ने अचानक हुए हादसों में प्राकृतिक उपचारों को कारगर बताते हुए बुखार, खांसी, जुकाम आदि को घर पर रहते हुए इलाज करने के तरीके बताए। पियास की संस्थापिका डॉ नीतू जैन ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि केवल मुस्कुराने से भी अनेक बीमारियों का समाधान संभव है। इस मौके पर देव बालर, अनीश, दीप व प्रभा गुलेच्छा ने अपने स्वास्थ्य अनुभव साझा किए। इस प्रकार की विशेष जानकारियाँ प्रति माह के अंतिम रविवार को दी जाती है।

राजस्थान के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटे के दौरान कई हिस्सों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश हुई। विभाग के मुताबिक, शनिवार सुबह 8.30 बजे से रविवार सुबह 8.30 बजे के बीच सीकर के दांतारामगढ़ में सबसे ज्यादा 17 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गई।

भय मुक्त होने पर मन से दूर हो जाती हैं सभी प्रकार की शंकाएं : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी मंदिर संघ मामुलपेट के तत्वावधान में राजेन्द्र भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जिनेन्द्र प्रभु के शासन की दृढ़ भक्ति करने पर संसार में नहीं लगेगा किसी प्रकार का भय, भय मुक्त होने पर मन से दूर हो जाती सभी प्रकार की शंकाए।

जिसने जिनेन्द्र धर्म के प्रति दृढ़ भक्ति व आस्था रखी उसे इस संसार में किसी प्रकार का भय नहीं होता है। जो भय से मुक्त हो जाता है उसके मन की सभी प्रकार की शंकाए भी दूर हो जाती है। जिनशासन में आस्था रखने वाला व्याधि, रोग, बुढापा, मौत किसी भय से भयभीत नहीं होकर निर्भय रहता है। सब दान में सर्वोपरी दान भयमुक्त करने वाले अभयदान को माना गया है।

साध्वी शीतलगुणाश्री जी ने कहा कि संसार का बंधन टूटता है जब जीव संयमी बनता है, अहं का बंधन टूटता है तब व्यक्ति शिष्य बनता है। मेघराज भंसाली ने बताया कि तनुकु से पधारे चंपालाल कोठारी का संघ द्वारा सम्मान किया गया। आरती का लाभ गणपत भारतमल वेदमुथा परिवार ने लिया। इस अवसर पर अनेक ट्रस्टी व सदस्यों ने लाभार्थी व अतिथियों का सम्मान किया।

व्यसनमुक्त जीवन ही प्रभु की भक्ति के योग्य : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणीबेन्नूर। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूतिपूजक संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीजी ने कहा कि खोया हुआ धन पुन: पुण्य योग से पाया जा सकता है। दवाई के सहारे पुन: आरोग्य पाया जा सकता है किन्तु व्यसनों के सेवन खर्च किया समय-सब कुछ दांव पर लगाने पर प्राप्त नहीं हो सकता। अत: शेष जीवन को व्यसनों के जाल से मुक्त कराने के लिए प्रयत्नशील बनना चाहिए। आधुनिक जीवन शैली में अधिकतम व्यसन शौक व दोस्तों के दबाव में आते है। व्यसन व्यक्ति को खोखला कर देता है। जीवन स्वस्थ व शांतिपूर्ण रहेगा तो सोच सकारात्मक रहेगी। व्यसन छोड़ने से बचने वाले धन को धर्म में लगाने ने अनेक लाभ होते है, कामकाज की गुणवता में भी वृद्धि, समाज परिवार में प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इससे दया करूणा, परोपकार के भावों का विकास होगा ।

'माता-पिता हमारे जीवित भगवान स्वरुप हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी की निश्रा में धार्मिक पाठशाला के बालक बालिकाओं द्वारा 'माता पिता हमारे जीवित भगवान' विषयक नाटक की प्रस्तुति दी गई। इस नाटक में बताया गया कि बाजार में सब कुछ मिल सकता है, लेकिन माता-पिता कभी नहीं मिल सकते हैं। यह बड़े पुण्य वालों को ही मिलते हैं। माता-पिता की परिक्रमा ही चारों धाम की परिक्रमा है, इसलिये माता पिता की सेवा करना हमारा परम कर्तव्य है।

साध्वीश्री तत्वत्रयाश्रीजी ने कहा कि दुनिया में माता-पिता का भार सात जन्मों तक कोई भी संतान नहीं उतार सकती, क्योंकि माता पिता तो दुनिया के सबसे बडे भगवान हैं। फिर भी हमारी पीढी यह समझने में भूल कर रही है। तभी तो आज के समय में जो परिवार अपने आपको संपन्न मानते हैं ऐसे परिवारों में हमारे बुजूर्गों को पूरा सम्मान नहीं मिल रहा है जिस कारण आज वे आश्रमों में शरण लेने को मजबूर हैं। ऐसे समाज का क्या फायदा जहां उन बुजुर्ग माता-पिता को अनदेखा कर दिया जाये जिन्होंने अपने परिवार को पालने के लिये दिन-रात एक कर दिये। हम पश्चिमी देशों की सभ्यता से जुड़ते तो जा रहे हैं परंतु बहुत नासमझी कर रहे हैं। उस होड़ में हमारे परिवार बढ़ तो रहे हैं परंतु जिसको हमें वहन करना चाहिए उस बात को हम वहन नहीं कर पा रहे हैं।

जरा सोचिये जिस माँ-बाप ने अपने बच्चों के लिये कड़ी मेहनत करके पढ़ाया-लिखाया और उसे उसका काबिल बना दिया जिसकी कल्पना भी कर पाना कठिन है। फिर ऐसे बच्चे अपने माता- पिता को आश्रमों में रहने के लिये मजबूर कर देते हैं। हमें इस ओर गहन चिंतन करना चाहिए। इस नाटक ने भी हमें इस ओर सोचने पर मजबूर किया है। यह जानकारी जयंतीलाल श्री श्रीमाल ने दी

श्याम मंदिर में तीन दिवसीय श्याम कथा 4 अगस्त से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बन्नरघटा नेशनल पार्क के सामने श्याम मंदिर प्रांगण में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर कलयुगी अवतार बाबा श्याम की 4 अगस्त से तीन दिवसीय कथा का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन के उपलक्ष्य में 4 को सुबह 8 बजे बन्नरघटा सर्कल शनि मंदिर में निशान पूजन व कलश पूजन किया जाएगा तत्पश्चात 9 बजे से कलश व निशान यात्रा निकाली गई। मंदिर के संस्थापक सदस्य रेवंतमल झंवर ने बताया कि कथा में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से कथावाचक पंडित मुरारी दाधीज संगीतमय ढंग से बाबा की कथा सुनाएंगे। इस आयोजन के आयोजनकर्ता श्याम कथा की तैयारियों में जुटे गए हैं।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

अनावश्यक पापों का जीवन में त्याग करना चाहिए : साध्वी संस्कारनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ जयनगर के तत्वावधान में चातुर्मास विराजित साध्वीश्री संस्कारनिधिश्रीजी की निश्रा में अट्ठारह पापस्थानक संवेदना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर साध्वीजी ने कहा कि छोटा सा कांटा पाव की गति को अवरुद्ध कर देता है। छोटा सा रेती का कण आंख को खोलने नहीं देता। छोटा सा फोडा मन को बेचैन कर देता है। छोटी सी चिंगारी घास के ढेर को जलाकर राख कर देती है। छोटा सा छेद जहाज को डुबो देता है। छोटा सा पाप हमारी अध्यात्म यात्रा में अवरोध पैदा करता है, अत: अनावश्यक पापों का जीवन में त्याग करना चाहिए । इस अवसर पर पुष्पा राठौड़ ने गीत संगीत की प्रस्तुति दी। धर्मनाथ जैन धार्मिक पाठशाला के बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से सबका मन मोह लिया।

धैर्यमूर्ति, करुणामूर्ति और क्षमामूर्ति होती है मां : मुनिश्री राजपद्मसागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ ट्रस्ट के तत्वावधान में एलएनपुरम स्थित समणी भवन के प्रांगण में चातुर्मासार्थ विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी की निश्रा में मातृ पितृ वदंना कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें मुनिश्री ने कहा कि मां त्रिमूर्ति, धैर्यमूर्ति, करुणामूर्ति और क्षमामूर्ति होती है। सब कुछ भूलो मगर मां बाप को मत भूलना। जो हमारे ऊपर उपकार करते है उनके उपकारों का बदला चुका पाना नामुमकिन है। श्रवणकुमार के माता-पिता को बहुत मिन्नतों के बाद में संतान प्राप्ति हुई थी और उनके उपकारों का बदला चुकाने के लिए अपने माता पिता को 68 तीर्थों की यात्रा कराई थी। हम सब श्रवणकुमार तो नहीं बन सकते पर माता-पिता को मंदिर उपाश्रय धर्म स्थानों में लेकर तो ले जा ही सकते हैं।

मुनिश्री श्रमणपदमसागरजी ने माता-पिता के उपकारों की गाथा गाते हुए कहा कि हमको चलना, बोलना, खाना, पढ़ना, सिखाया है माता पिता ने। उनके उपकारो को हमेशा याद रखना चाहिए। उनको कभी कभी भी दुखी नहीं करना चाहिए। संघ सचिव नरेंद्र आच्छा ने कहा कि रविवार को मातृत्व वंदना प्रोग्राम के लाभार्थी भंवरीबाई मोहनलाल गुगलिया परिवार वाले थे। गुरु मुखारविंद से श्रद्धालुओं ने माता-पिता के बारे में सुनकर सब भावविभोर हो गए और अनेकों ने संकल्प लिया कि वे अपने माता पिता के प्रति सदैव वफादार व कृतज्ञ रहेंगे।

अक्कीपेट वासुपूज्य सेवा मंडल ने किया अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वासुपूज्य स्वामी जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ अक्कीपेट द्वारा संचालित सेवा मंडल के तत्वावधान में लाभार्थी राजेशकुमा मिश्रीमल पटियात परिवार के सहयोग से 251वां अन्नप्रसादम कार्यक्रम का आयोजन किया।

अक्कीपेट मंदिर के सामने आयोजित इस अन्नदान कार्यक्रम में 534 व्यक्तियों ने लाभ लिया। संघ के अध्यक्ष उत्तमकरण संचेती, महामंत्री कांतिलाल नागोत्रा सोलंकी ने मंडल द्वारा आयोजन अन्नदान कार्यक्रम की सराहना की।

इस आयोजन में मंडल के अध्यक्ष पदमराज मेहता मंत्री ललित काश्यप, विनोद मेहता, नेनमल पालरेचा, शांतिलाल लुंकड़, मुन्नीलाल पारेख, निहालचंद मेहता, अशोक छाजेड़, अनिल कुमार सिसोदिया, निर्भयलाल श्रीमाल, अनिलकुमार संखलेचा, बाबूलाल सुराणा, महावीर सेठिया, अशोक बागरेचा, सुरेश फोलामुथा, भरत श्रीश्रीमाल, संदीप ओस्तवाल, सुकनराज फागनिया आदि ने अपनी सेवा प्रदान की। इस मौके पर चिकपेट संघ के अध्यक्ष गौतम सोलंकी एवं अखिल भारतीय युवक महा संघ के अध्यक्ष कैलाश संखलेचा मौजूद रहे।

प्रबल मनोबली ही मासखमण तप कर सकते हैं : मुनि दीपकुमार

विजयनगर में हुआ प्रथम मासखमण प्रत्याख्यान समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित अर्हम भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में अनीशा राकेश बाबेल ने 30 दिन के मासखमण तप का प्रत्याख्यान समारोह का आयोजन तेरापंथी सभा के तत्वावधान में किया। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि प्रबल मनोबली ही मासखमण जैसी तपस्या कर सकते हैं। तप मंगल है, क्योंकि तप शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों को मंगलमय बनाता है। तप शरीर के रोग निकालता है। तप जैन शासन की प्रभावना का हेतु है। अनीशाबाई ने अपने पुत्र मुनि काव्य कुमारजी को संघ को समर्पित किया है। यह संघ को बहुत बड़ी भेंट की है। अब पुत्र मुनि के चातुर्मास में हमें यह मासखमण तप की अच्छी भेंट की है। गुरुदेव महाश्रमण जी की कृपा से यह तपस्या हुई है। उनके शासनकाल में धर्मसंघ में चारों और तप की ज्योति प्रज्वलित हो रही है।

मुनिश्री काव्यकुमारजी ने कहा कि तपस्या से हमारी आत्मा की शुद्धि होती है। मेरी संसारपक्षीय मां ने यह मासखमण तप कर संकल्पबल की मजबूती का उदाहरण प्रस्तुत किया है। मेरी दीक्षा में भी मेरी संसार पक्षीय मां प्रेरिका रही है। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा विजयनगर अध्यक्ष प्रकाश गांधी ने तपस्वी के तप की अनुमोदना की। बाबेल परिवार के सदस्यों ने तप की अनुमोदना की। ज्ञानशाला संयोजिका मनीषा घोषल, तेरापन्थ महिला मंडल अध्यक्षा मंजू गादिया, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष राकेश पोखरना, अर्हम मित्र मंडल के मंत्री विनोद पारख ने भी अपने विचार रखे। तेरापंथ कन्या मंडल ने भी गीत का संगान किया। तेरापंथ सभा एवं सभी सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारीगण ने तपस्वी का सम्मान किया। सभा मंत्री मंगल कोचर ने साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुत विभाजी के संदेश का वाचन किया । संचालन सुश्री निधि चावत ने किया।

बोम्मई ने सिद्दरामैया पर निशाना साधते हुए कहा-

सत्ता में बैठे लोग पद बचाने में व्यस्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बसवराज बोम्मई ने कर्नाटक में बारिश, बाढ़ से उत्पन्न स्थिति से निपटने और प्रभावितों को राहत पहुंचाने के मामले पर रविवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि सत्ता में बैठे लोग अपना पद बचाने के लिए राजनीति में व्यस्त हैं। बोम्मई ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्दरामैया का ज्यादातर समय सत्तारूढ़ पार्टी की समस्याएं सुलझाने में बीत जाता है।

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोगों के बीच स्थानांतरण के धंधे (सरकारी अधिकारियों या सेवकों के स्थानांतरण) में भ्रष्टाचार को लेकर प्रतिस्पर्धा है, जबकि राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने यहां मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा, राज्य सरकार बारिश के कारण हुए नुकसान पर ध्यान नहीं दे रही है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के अलावा कोई काम नहीं किया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं, उन्हें 10 हजार रुपये की तत्काल सहायता नहीं मिली है।

बोम्मई ने कहा कि फसलों को हुए नुकसान के संबंध में अभी तक प्रारंभिक आकलन नहीं किया गया है, जानमाल के नुकसान पर भी कोई ध्यान नहीं दे रहा है और मंत्रियों ने बारिश या बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक फसल के लिए किसानों को बीज और उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार में जो लोग हैं, वे अपना पद बचाने के उद्देश्य से राजनीति में व्यस्त हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपना अधिकांश समय मंत्रियों और विधायकों के बीच विवाद सुलझाने में लगा रहे हैं।

बोम्मई ने कहा, ऐसे समय में जब लोग संकट में हैं, राज्य सरकार उन्हें बचाने के लिए आगे नहीं आई है। इसलिए, मैं सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह करता हूं कि मंत्री प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करें, संकट में फंसे लोगों को राहत प्रदान करें।

सम्मान

सावनूर में बनजिगा वेलफेयर एसोसिएशन के समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का अभिनंदन करते हुए एसोसिएशन के सदस्य। इस मौके पर अतिथि के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर भी उपस्थित थे।

मंड्या में नहर में कार गिरने से चार महिलाओं की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। कर्नाटक के मंड्या जिले में एक कार के विश्वेश्वरैया नहर में गिरने से इसमें सवार चार महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह घटना जिले की श्रीरंगपटना तालुक में गामनहल्ली के समीप शनिवार रात को हुई और मृतकों की पहचान महादेवाम्मा तथा उनकी रिश्तेदार संजना, मादेवी और रेखा के रूप में हुई है।

कार चालक मनोज तैरकर नहर के किनारे तक पहुंच गया जिससे उसकी जान बच गई। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कृषि मंत्री एन चेलुवरायास्वामी और सामाजिक कल्याण मंत्री एच सी महादेवप्पा ने मृतकों के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की तथा उन्हें सांत्वना दी। महादेवप्पा ने कहा कि मृतकों के परिजनों को दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि गामनहल्ली से दोड्डामुलगूडु जा रही कार पर चालक नियंत्रण खो बैठा जिसके चलते यह नहर में गिर गई। उन्होंने बताया कि शवों को नहर से बाहर निकाल लिया गया है और मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

कर्नाटक, आंध्र में बारिश के बाद तमिलनाडु के थोक बाजार में टमाटर हुआ 200 रुपये किलो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में टमाटर की बढ़ती कीमतों से लोगों को राहत मिलती नहीं दिख रही है। रविवार को राज्य की राजधानी और कई शहरों में इसकी थोक कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। चेन्नई के कोयम्बेडु थोक बाजार में टमाटर की कमी के कारण दाम तेजी से बढ़े हैं। कोयम्बेडु बाजार में थोक सब्जी विक्रेता पी.वी. अहमद ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में रुक-रुक कर हो रही बारिश के कारण फसल को हुए भारी नुकसान से दोनों राज्यों से टमाटर की आवक कम हुई है। भारी बारिश के कारण फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है और इसलिए टमाटर की

आवक में कमी आ गई है। इससे बाजार में टमाटर की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है।

व्यापारियों ने यह भी कहा कि एक सप्ताह में कीमत 250 रुपये प्रति किलोग्राम तक बढ़ने की संभावना है। कोयम्बेडु होलसेल मर्चेंट्स एसोसिएशन के सचिव पी. सुकुमारन ने कहा, इस बाजार के इतिहास में पहली बार टमाटर की कीमत 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई है। यह अभूतपूर्व है। हम उम्मीद कर रहे थे कि 20 जुलाई तक दरें स्थिर हो जाएंगी, लेकिन अचानक बारिश के कारण फसल बर्बाद हो गई और आंध्र तथा कर्नाटक में 50 फीसदी से ज्यादा टमाटर की खेती बारिश के कारण बर्बाद हो गई। जहां थोक बाजार में टमाटर 200 रुपये प्रति किलोग्राम बिक रहा है, वहीं कुछ खुदरा दुकानों में इसकी कीमत 185 रुपये प्रति किलोग्राम भी है।

एक सब्जी विक्रेता ने बताया, हम जो टमाटर खरीदते हैं उससे कम दाम पर बेच रहे हैं क्योंकि हम बर्बादी से बचना चाहते हैं। बिक्री की मात्रा में भी भारी कमी आई है और लोग टमाटर नहीं खरीद रहे हैं। इसकी बजाय वे दूसरी सब्जियां खा रहे हैं।

वरिष्ठ नागरिक ने मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की कार रोकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। एक वरिष्ठ नागरिक ने पार्किंग मुद्दों के समाधान की मांग करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया की कार को रोक दिया। वरिष्ठ नागरिक नरोत्तम मुख्यमंत्री सिद्दरामैया के आधिकारिक आवास 'कुमार कृपा' के सामने रहते हैं। जाहिर तौर पर नरोत्तम इस बात से निराश थे कि मुख्यमंत्री से मिलने आने वाले लोग उनके गेट के सामने अपनी गाड़ियां पार्क कर देते हैं।

वरिष्ठ नागरिक ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वाहन पार्क होने के कारण वे और उनके परिवार के सदस्य घर से बाहर नहीं निकल पाते। मुझे इसे हटवाने के लिए मुख्यमंत्री आवास पर जाकर गाड़ी के मालिक के बारे में पता करना पड़ता है। पुलिस से बहस के बाद वरिष्ठ नागरिक नरोत्तम ने मुख्यमंत्री की कार रोक दी और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मुख्यमंत्री ने पुलिस अधिकारी को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। नरोत्तम ने कहा कि नए मुख्यमंत्री के आवास पर विजिटर्स की संख्या में वृद्धि हुई है और इसलिए उनके घर के पास कई स्थानों पर वाहन पार्क किए जाते हैं और अधिकांश समय उनके गेट को अवरुद्ध कर दिया जाता है।

तमिलनाडु में पांच नए कोविड मामले मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में पिछले 24 घंटों में पांच नए कोविड-19 मामले सामने आए हैं। इनमें से तीन राज्य की राजधानी चेन्नई में हैं। एक मामला कोयंबटूर और दूसरा दक्षिण तमिलनाडु के थेनी में सामने आया है। इन नए पांच मामलों के साथ राज्य में कोविड-19 सक्रिय मामलों की संख्या 9 पहुंच गयी है।

पहली बार कोविड-19 का पता चलने के बाद से राज्य में संक्रमण की कुल संख्या 36,10,628 थी। तमिलनाडु में कोविड-19 से ठीक होने वालों की कुल संख्या 35,72,538 है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 से मरने वालों का आंकड़ा शून्य रहा। महामारी फैलने के बाद से तमिलनाडु में कोविड से होने वाली मौतों की संख्या 38,081 है।

कृष्णागिरि पटाखा इकाई विस्फोट

पीईएसओ अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) के अधिकारी कृष्णागिरी जिले के पझायापेट्टई में पटाखा निर्माण गोदाम की जांच कर रहे हैं, जहां शनिवार सुबह एक विस्फोट में तीन महिलाओं सहित नौ लोगों की मौत हो गई थी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना में कम से कम पंद्रह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका कृष्णागिरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने कहा कि विस्फोट के प्रभाव के कारण इकाई के पास के घर और कुछ दुकानें क्षतिग्रस्त हो गईं। कृष्णागिरी के पुलिस अधीक्षक सरोज कुमार ठाकोर ने शनिवार को पहले कहा था कि विस्फोट पझायापेट्टई इलाके में 46 वर्षीय रवि की पटाखा फैक्ट्री के अंदर हुआ। पुलिस और दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान चलाया। इस बीच, कृष्णागिरी जिले के राजस्व अधिकारी पझायापेट्टई क्षेत्र में दुर्घटनास्थल के आसपास के आवासीय घरों का निरीक्षण कर रहे हैं और जिला शहर पुलिस भी घटना की जांच कर रही है। इससे पहले, राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री आर सक्करपानी ने अस्पताल का दौरा किया, जहां विस्फोट के ग्यारह पीड़ितों का इलाज चल रहा था।

सिल्क एक्सपो

रविवार को बेंगलूरु में पूर्व मंत्री एवं विजयनगर के वर्तमान विधायक कृष्णाप्पा ने इंडिया सिल्क गैलरी स्टॉल एक्सपो का दौरा किया और स्थानीय बुनकरों से बातचीत की। गौरतलब है कि सिल्क उपभोक्ताओं को शिक्षित करने के लिए, 'इंडियन सिल्क गैलरी' मेगा प्योर नेचुरल फाइबर कॉन्सेप्ट का अपनी तरह का पहला सिल्क एक्सो पेश कर रही है। 28 जुलाई से 7 अगस्त तक बेंगलूरु के बसवेश्वरनगर के एचबीसीएस लेआउट में व्हाइट पेटल्स में चल रहे इस एक्सो में 60 स्टॉल लगाई गई है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन गोविन्दराजनगर के विधायक प्रियकृष्णा ने किया।

हमारे शानदार संरक्षण से बाघों की आबादी बढ़ी : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने कहा कि हमारे शानदार संरक्षण से यहां बाघों की आबादी वर्ष 2018 के 264 से बढ़कर 2022 में 306 हो गयी है। स्टालिन ने आज यहां अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर ट्वीट कर कहा, आइए अपने शानदार बाघ के संरक्षण के लिए दहाड़ें। उन्होंने कहा, इन लुप्तप्राय प्रजातियों की संरक्षण के लिए तमिलनाडु की प्रतिबद्धता के उल्लेखनीय परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा कि बाघों की आबादी वर्ष 2018 में 264 थी जो कि 2022 में बढ़कर 306 हो गयी है। स्टालिन ने कहा, एक साथ मिलकर, हम जंगल में उनकी जगह सुरक्षित कर सकते हैं और उनकी शाश्वत सुंदरता को संजो सकते हैं।

बाइक रैली

बेंगलूरु के मानेक शॉ परेड ग्राउन्ड में रविवार को अखिल कर्नाटक एक्स-वॉर एसोसिएशन और ट्रैफिक पुलिस के साथ 'शी फॉर सोसाइटी' वूमेन बाइकर्स के सदस्यों ने सैनिकों को बिठाकर बाइक रैली में भाग लिया।

सोलह वर्षों में बाघों की आबादी में चार गुना वृद्धि

चेन्नई। तमिलनाडु में बाघों की आबादी में अच्छी वृद्धि देखने को मिली है। राज्य में बाघों की संख्या में चार गुना बढ़ोत्तरी हुई है। 2006 में राज्य में 76 बाघ थे, जो वर्तमान में बढ़कर 306 हो गए हैं। शनिवार को वैश्विक बाघ दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) और भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) द्वारा बाघों की संख्या जारी की गई।

2018 की पिछली बाघ गणना में, तमिलनाडु के जंगलों में संख्या 264 थी और नवीनतम गणना में यह 306 तक पहुंच गई है। राज्य में पांच टाइगर रिज़र्व हैं जिनमें अनामलाई टाइगर रिजर्व, कलक्कड़-मुंडनथुराई टाइगर रिजर्व, मुदुमलाई टाइगर रिजर्व, श्रीविल्लिपुथुर मेगामलाई टाइगर रिजर्व और सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व शामिल हैं।

तमिलनाडु के पांच टाइगर रिजर्व में से मुदुमलाई टाइगर रिजर्व (एमटीआर) में बाघों की संख्या सबसे अधिक है। जनगणना के अनुसार एमटीआर में बाघों की संख्या 114 है। वरिष्ठ वन अधिकारियों ने कहा कि वन अभ्यारण्यों के कवरेज में वृद्धि और अवैध शिकार विरोधी उपायों से बाघों की आबादी में वृद्धि हुई है।

पीएसएलवी-सी 56 ने सिंगापुर के सात उपग्रहों को किया प्रक्षेपित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन(इसरो) ने एक समर्पित वाणिज्यिक मिशन में अपने सबसे ताकतवर प्रक्षेपण वाहन पीएसएलवी-सी56 के माध्यम से रविवार को श्रीहरिकोटा की एसएचएआर रेंज के स्पेसपोर्ट से प्राथमिक पेलोड डीएस-एसएआर (एक रडार इमेजिंग अर्थ ऑब्जर्वेशन) उपग्रह सहित सिंगापुर के सात उपग्रहों को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया। इसरो ने ट्वीट कर कहा, पीएसएलवी-सी56/डीएस-एसएआर मिशन पूरी तरह पूरा हुआ। साढ़े पच्चीस घंटे की उलटी गिनती के बाद, 228 टन वजन उठाने वाले 44.4 मीटर लंबे चार चरण वाले वाहन ने 0630 बजे प्रथम लॉन्च पैड से शानदार ढंग से उड़ान भरी।

पीएसएलवी -सी56/डीएस-एसएआर, एसटी इंजीनियरिंग, सिंगापुर के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) का समर्पित वाणिज्यिक मिशन है। लगभग 25 मिनट की उड़ान अवधि के बाद, सभी सात उपग्रहों को सटीक कक्षा में स्थापित किया गया। पीएसएलवी-सी56 ने 21 मिनट की उड़ान अवधि के बाद सबसे पहले प्राथमिक पेलोड, डीएस-एसएआर (एक 360 किलोग्राम रडार इमेजिंग पृथ्वी अवलोकन उपग्रह) को 5 डिग्री झुकाव और 535 किमी ऊंचाई पर एक निकट-भूमध्यरेखीय कक्षा (एनईओ) में स्थापित किया। बाद में चार मिनट की अवधि में सिंगापुर के सभी छह सह-यात्री उपग्रह -

न्यूलियन, ओआरबी -12 स्ट्राइडर, गैलासिया -2, स्कूब- द्वितीय , आर्केड और वेलॉक्स-एएम को उसी क्रम में कक्षा में स्थापित किया गया। एसडीएससी-श्रीहरिकोटा से यह इसरो का 93वां मिशन है। इसके साथ ही इसरो अब तक 531 विदेशी सैटेलाइट लॉन्च कर चुका है।

पीएसएलवी-सी56 किसी एक विदेशी ग्राहक के लिए चौथा समर्पित प्रक्षेपण है। पीएसएलवी-सी56 को सी 55 के समान स्ट्रैप-ऑन मोटर्स के बिना, इसके कोर-अलोन मोड में कॉन्फ़िगर किया गया है। यह पीएसएलवी की 58वीं और इसके कोर अलोन कॉन्फ़िगरेशन की 17वीं उड़ान है। इसरो ने कहा सभी उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के बाद रॉकेट के ऊपरी चरण (चौथे चरण) को इसकी कम कक्षीय जीवन सुनिश्चित करने के लिए निचली कक्षा में रखा जाएगा। पीएस4 को बायीं ओर का उपयोग करके 300 गुणा 300 किमी की निचली पृथ्वी वृत्ताकार कक्षा में ले जाया जाएगा।

मिशन के बाद मिशन नियंत्रण केंद्र के वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए इसरो के अध्यक्ष एस.सोमनाथ ने कहा कि प्राथमिक उपग्रह डीएस-एसएआर सहित सभी सात 7 उपग्रहों को पीएसएलवी-सी56 द्वारा सटीक कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। उन्होंने कहा, मैं इस मिशन के लिए और इसरो में लगातार विश्वास बनाए रखने के लिए सिंगापुर सरकार और एनएसआईएल के ग्राहकों को बधाई देता हूं। उन्होंने कहा, इस बार हमें यह बिल्कुल सही कक्षा मिली है। उन्होंने कहा कि इसरो के पास इस मिशन का और भी रोमांचक चरण होगा। श्री सोमनाथ ने कहा कि पीएसएलवी सी56 का चौथा चरण (पीएस4), जो अब 535 किमी की गोलाकार कक्षा में है, को 300 किमी की निचली कक्षा में वापस लाया जाएगा। उन्होंने कहा, हम इसे नियंत्रित तरीके से लो अर्थ सर्कुलर पर लाएंगे और इसमें लगभग डेढ़ घंटे का समय लगेगा। सोमनाथ ने कहा कि इसरो अगस्त के अंत या सितंबर की शुरुआत में एक और पीएसएलवी मिशन के साथ वापस आएगा। उन्होंने कहा कि अगले साल की शुरुआत में पीएसएलवी का औद्योगीकरण किया जाएगा और उन्होंने इस साल के लिए आगामी मिशनों की घोषणा की। पीएसएलवी -सी56/डीएस-एसएआर, एसटी इंजीनियरिंग, सिंगापुर के लिए न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) का समर्पित वाणिज्यिक मिशन है। लगभग 25 मिनट की उड़ान अवधि के बाद, सभी सात उपग्रहों को सटीक कक्षा में स्थापित किया गया। एसडीएससी-श्रीहरिकोटा से यह इसरो का 93वां मिशन है। इसके साथ ही इसरो अब तक 531 विदेशी सैटेलाइट लॉन्च कर चुका है। पीएसएलवी-सी56 किसी एक विदेशी ग्राहक के लिए चौथा समर्पित प्रक्षेपण है।

विरोध प्रदर्शन

रविवार को बेंगलूरु के सेंट फ्रांसिस जेवियर कैथेड्रल में मणिपुर में हिंसा के खिलाफ महिला आयोग की सदस्यों और आर्चडियोज सीसीबीआई महिला आयोग के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया।

पीएसएलवी-सी56/डीएस-एसएआर मिशन के सफल प्रक्षेपण में एयरोस्पेस फर्म की भूमिका

चेन्नई। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद की एक समर्पित घरेलू निजी एयरोस्पेस कंपनी अनंत टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (एटीएल) ने श्रीहरिकोटा से रविवार को लॉन्च हुए पीएसएलवी-सी56/डीएस-एसएआर मिशन में योगदान दिया है। गौरतलब है कि देश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों और अंतरिक्ष-आधारित अनुप्रयोगों के प्रसार को बढ़ाने तथा इसके लाभों को पूरी तरह से प्राप्त करने के लिए और देश की समग्र अंतरिक्ष-आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने हेतु केंद्र सरकार ने अपनी गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में निजी उद्योगों की भागीदारी के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र को खोल दिया है।

छह सह-उपग्रहों के साथ प्राथमिक डीएस-एसएआर उपग्रह को ले जाने वाला समर्पित वाणिज्यिक पीएसएलवी-सी56 मिशन 30 जुलाई को सुबह साढ़े छह बजे प्रथम लॉन्च पैड से उड़ान भरने के बाद सफलतापूर्वक अपना मिशन पूरा किया गया। एटीएल (जो इसरो के सभी लॉन्च वाहन और उपग्रह मिशनों में योगदान दे रहा है) ने नेविगेशन इंटरफेस मॉड्यूल, इनर्शियल सेंसिंग यूनिट, इंट्रा-मॉड्यूल हार्नेस, कंट्रोल इलेक्ट्रॉनिक्स, पायरो नियंत्रण प्रणाली, ट्रैकिंग ट्रांसपोंडर, पावर सिस्टम आदि सहित कई एवियोनिक्स पैकेजों की प्राप्ति में पीएसएलवी-सी56 लॉन्च वाहन के लिए योगदान दिया है।

नारी जब संकल्प ले लेती है तो पहाड़ों को हिला कर रख देती है : वसुंधरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा है कि दुनिया में सबसे बड़ा संविधान भारत का है, जिसमें महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार दिए गए हैं। इसके बाबजूद महिलाओं को अपने ही अधिकारों के लिए लड़ना पड़ रहा है।आज भी उनकी जिंदगी से जुड़े अहम फैसले पुरुष ही ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं जब राजस्थान की राजनीति में आई तब मुझे भी बहुत संघर्ष करना पड़ा,जो आज भी कम नहीं हुआ है। अगर मैं डर जाती तो यहाँ तक नहीं पहुँचती। पूर्व सीएम ने कहा कि नारी जब साधना के साथ संकल्प ले लेती है तो पहाड़ों को भी हिला कर रख देती है। उन्होंने 3 तलाक़ से राहत दिलाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

राजे इनाया फ़ाउंडेशन की ओर से आयोजित 'वूमन ऑफ़ वंडर अवार्ड-2023' के अवसर पर बोल रही थी। उन्होंने 28 महिलाओं को सम्मानित किया और कहा कि भले ही महिलायें खुश हो लें कि आजादी के 75 सालों में महिलाएँ अंतरिक्ष पर पहुँच गई।फाइटर प्लेन उड़ा रही हैं।ओलंपिक में पदक जीत रही हैं।राष्ट्रपति बनकर देश की बागडोर संभाल रही हैं।चंद्रयान-3 लैंडिंग की ज़िम्मेदारी 'रॉकेट वुमन' ऋतु करिधाल को सौंपी गई है,पर यह संख्या महिलाओं की आबादी का अंश मात्र है।

श्रीमती राजे ने कहा कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व लोकसभा में 15,राज्यसभा में 14 और राजस्थान विधानसभा में साढ़े 13 प्रतिशत है,जो बेहद कम है।

जबकि साइकिल के दोनो पहियों की तरह समाज का संतुलन पुरुष और महिला पर टिका है जिनकी बराबर भागीदारी से ही देश विकसित होता है। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू,लता मंगेशकर और अवनी लेखरा का उदाहरण भी दिया,जिन्होंने शिक्षा,संघर्ष,मेहनत और कामयाबी की ललक से सफ़लता अर्जित की।

टाइगर्स के प्रति फोटोग्राफर्स के जुनून का परिणाम है यह एग्जीबिशन : सांसद दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजसमंद सांसद और नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) की सदस्य दीया कुमारी ने जवाहर कला केंद्र में रविवार को टाइगर फोटोग्राफ एग्जीबिशन का अवलोकन किया। इस अवसर पर सांसद दिया कुमारी ने फोटोग्राफर्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां आज जो फोटोग्राफ्स प्रदर्शित की गई हैं, यह उनके टाइगर्स के प्रति जुनून को दर्शाती हैं। यह फोटोग्राफ्स एक दिन की नहीं बल्कि उनके वर्षों की मेहनत का परिणाम है। आज हम सभी इस प्रदर्शनी के माध्यम से टाइगर्स को सेलिब्रेट करने के लिए एकत्रित हुए हैं। हमारे प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी का यह विजन है कि देश में टाइगर्स का संरक्षण हो और उनकी संख्या बढ़ाई जा सके।

सांसद दिया कुमारी ने आगे कहा कि यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि देश में टाइगर्स की संख्या 3167 से बढ़कर 3677 हो गई है। राजस्थान में टाइगर अभ्यारणों की संख्या में वृद्धि हो, इसके प्रयास के रूप में मैं कुंभलगढ़ को टाइगर रिजर्व बनाने की दिशा में कार्य कर रही हूं। इस मिशन की तरफ हम सभी को मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे।

गौरतलब है कि यह आयोजन जयपुर टाइगर फेस्टिवल (जेटीएफ) की ओर से जवाहर कला केंद्र (जेकेके) की सुदर्शन गैलरी में 1 अगस्त तक टाइगर फोटोग्राफी एग्जिबिशन एवं कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। यह 4 दिवसीय एग्जिबिशन राजस्थान के वन विभाग के सहयोग से आयोजित की गई है। प्रदर्शनी में देश विदेश से वाइल्डलाइफ फोटोग्राफ्स द्वारा लगभग 500 एंट्रीज आई थी। सिलेक्शन कमेटी के आईएफएस, सुदर्शन शर्मा और रक्षा संस्था के फॉउंडर, रोहित गंगवाल ने इन एंट्रीज में से लगभग 100 फोटोग्राफस को चयनित किया, जिनको एग्जीबिशन में प्रर्दशित किया जा रहा है।

जेटीएफ संस्थापक, धीरेंद्र के गोधा ने बताया कि प्रर्दशित फोटोग्राफी केवल और केवल आम जन में हमारे राष्ट्रीय पशु टाइगर के बारे में जगरुकता लाने का प्रयास है। राजस्थान में टाइगर की संख्या 100 के पार हो गई है। राजस्थान में 4 टाइगर रिजर्व हैं। प्रदेश में रणथंभौर, सरिस्का, मुकंदरा के बाद बूंदी में नया टाइगर रिज़र्व बन गया है। जहां पिछले दिनों तीन शवाको का जन्म हुआ है। इस अवसर पर प्रतिष्ठित वाइल्डलाइफ फिल्ममेकर, एस. नल्ला मुथू भी उपस्थित रहे।

ताजिया दफनाने जा रहे तीन युवकों की करंट की चपेट में आने से मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में रविवार सुबह मोहर्रम का ताजिया दफनाने जा रहे तीन युवकों की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। इस घटना में एक अन्य युवक के झुलसने की भी खबर है। पुलिस के मुताबिक, चारों युवक इस्लामपुरा का पंचायती ताजिया लेकर शेरगढ़ किले के पास कर्बला जा रहे थे। उसने बताया कि ताजिया रास्ते में सड़क पर ऊपर से गुजर रहे 11 हजार किलोवॉट के बिजली के तार की चपेट में आ गया, जिससे उसे ले जा रहे चारों युवक झुलस गए। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, चारों युवकों को अस्पताल ले जाया गया, जहां मोबीन, अनवर और रेहान ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जबकि वसीम उपचाराधीन है।

भरतपुर में ताजिया के नेतृत्व को लेकर दो पक्षों में पथराव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके में एक समुदाय के दो पक्षों में ताजिया की अगुवाई को लेकर झगड़ा हो गया। दोनों पक्षों में जमकर पथराव हुआ। पुलिस ने 28 लोगों को हिरासत में ले लिया है। फिलहाल मौके पर शांति बनी हुई है। पुलिस ने एहतियात के तौर पर पुलिस जाब्ता तैनात किया है। झगड़ा मथुरा गेट थाना इलाके के मछली मोहल्ला में हुआ। कल ताजिया का जुलूस निकाला गया था। जुलूस की हर साल अगुवाई मछली मोहल्ले के लोगों द्वारा बनाये ताजिया के द्वारा की जाती है। मछली मोहल्ले के दो पक्ष चाहते हैं की, वह ताजिया का नेतृत्व करें। जिसको लेकर कल ताजिया निकालने के दौरान सोहेल और तालिब नाम के युवकों का झगड़ा हो गया। जिसके बाद कल पुलिस ने दोनों युवकों का समझौता करवा दिया। आज तालिब और साबिर ने मिलकर सोहेल को पीट दिया। जिसके बाद सोहेल अपने घर गया और परिजनों को घटना के बारे में बताया। जब सोहेल के परिजन तालिब और साबिर के घर उल्हाना देने गए तो, तालिब और साबिर के परिजनों ने सोहेल के परिवार पर पथराव कर दिया। घटना में सोहेल के हाथ में चोट लगी है। घटना का पता जैसे ही पुलिस को लगा तभी काफी संख्या में पुलिस मौके पर पहुंची और मछली मोहल्ले से 28 लोगों को शांति भंग की धारा 151 में हिरासत में ले लिया।

मुलाकात

जयपुर में रविवार को राज्यपाल कलराज मिश्र से राजभवन में उत्तरप्रदेश के कारागार एवं होमगार्ड मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने मुलाकात की। राज्यपाल मिश्र से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

मादक पदार्थों की तस्करी में वृद्धि से राजस्थान के अगले 'उड़ता पंजाब' बनने का डर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। क्या राजस्थान अगला उड़ता पंजाब होगा? इस सवाल पर सभी हलकों में चर्चा हो रही है, क्योंकि राज्य के सीमावर्ती शहरों में नशीले पदार्थों की तस्करी के मामले बढ़ गए हैं, जिनकी सीमाएं पड़ोसी राज्यों से मिलती हैं। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान के नजदीक राजस्थान के चार जिलों में पिछले ढाई साल में हेरोइन तस्करी के 23 मामले सामने आ चुके हैं। इन मौकों पर राज्य में 125 किलोग्राम हेरोइन लाई गई। दरअसल पुलिस ने दो साल में एक करोड़ रुपये की नशीली गोलियां, कैप्सूल और इंजेक्शन जब्त किए हैं।

पिछले ढाई साल में यहां ड्रग तस्करी के 9000 मामले दर्ज किए गए हैं और 11,000 लोगों को हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि हैरानी की बात यह है कि आठ पुलिसकर्मी भी ड्रग तस्करों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। पुलिस टीमों ने पुष्टि की कि पंजाब के तस्कर अब श्रीगंगानगर, बीकानेर और बाड़मेर के रास्ते पाकिस्तान से मादक पदार्थ और हथियार ला रहे हैं। उन्होंने पुष्टि की कि पिछले कई महीनों में ड्रोन से मादक पदार्थ गिराने के मामले बढ़े हैं।

जहां पंजाब में हर 20-30 किलोमीटर पर एक बटालियन होती है, वहीं यहां 50 किलोमीटर की दूरी पर एक बटालियन होती है, जो तस्करों के लिए वरदान है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि पंजाब ने अपनी सीमाओं पर निगरानी बढ़ा दी है और सैनिकों की संख्या बढ़ा दी है और इसलिए तस्कर प्लान बी पर काम कर रहे हैं और राजस्थान की सीमाओं पर नजर रख रहे हैं। राजस्थान में एक बटालियन के पास 50 किलोमीटर क्षेत्र पर नजर रखने की जिम्मेदारी है। चूंकि यहां आबादी के साथ-साथ सैनिक भी कम हैं, इसलिए ड्रग तस्कर इन जगहों को स्वर्ग की तरह मान रहे हैं। इन शहरों में गंगानगर, बीकानेर का खाजूवाला और बाड़मेर शामिल हैं।

ब्रजभाषा के वरिष्ठ साहित्यकारों की 'परिचौ पोथी' का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान ब्रजभाषा अकादमी के तत्वावधान में रविवार को झालाना स्थित अकादमी संकुल परिसर में काव्य महागोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न कवियों एवं साहित्यकारों ने ब्रजभाषा की रचनाओं पर आधारित काव्य पाठ किया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ गीतकार वरुण चतुर्वेदी द्वारा ब्रज वंदना से किया गया। इस अवसर पर ब्रजभाषा के वरिष्ठ साहित्यकार बी.के. गौड़, विठ्ठल पारीक, गोपीनाथ गोपेश, हरिश्चंद्र हरी कि श्परिचौ पोथीश का भी विमोचन किया गया। अकादमी के सचिव गोपाल लाल गुप्ता ने अकादमी द्वारा किये गए कार्यो का उल्लेख किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष राजीव अरोड़ा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजस्थान राज्य मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष रमेश बोराणा ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में राजस्थान संगीत नाटक अकादमी की अध्यक्ष श्रीमती बिनाका जैश मालू तथा विशेषाधिकारी (मुख्यमंत्री) फारूक अफरीदी उपथित थे। इस अवसर पर राज्य भर के ब्रजभाषा के प्रमुख कवि एवं साहित्यकार भी उपस्थित रहे।

'लाल डायरी' के नाम पर लोगों को गुमराह कर रही है कांग्रेस व भाजपा : बेनीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के संयोजक हनुमान बेनीवाल ने सत्तारूढ़ कांग्रेस एवं मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आरोप लगाया कि दोनों दल कथित 'लाल डायरी' के नाम पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। बेनीवाल ने विधानसभा में 'लाल डायरी' लहराने वाले बर्खास्त मंत्री राजेंद्र गुढ़ा पर भी हमला बोला और कहा कि वह भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। गुढ़ा ने बाद में मीडिया के सामने दावा किया था इस डायरी में 'दो नंबर का लेनदेन' दर्ज है।

सांसद बेनीवाल ने संवाददाताओं से कहा, ''किसी के इशारे पर काम करना अच्छी बात नहीं है। उन्होंने कहा, ''भ्रामक प्रचार करके राजस्थान की जनता को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है...मुझे लगता है कि लाल डायरी का मामला कांग्रेस व भाजपा ने मिलकर किया है।''

उन्होंने कहा कि अगर 'लाल डायरी' में किसी के नाम हैं तो इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''अगर लाल डायरी में किसी का नाम है तो उसकी जांच होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा था कि अगर वसुंधरा राजे नहीं होतीं तो उनकी सरकार नहीं बचती...इससे साफ हो गया कि कांग्रेस व भाजपा मिली हुई है।'' उन्होंने कहा, ''लाल डायरी का सच सामने आना चाहिए।'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बृहस्पतिवार को सीकर की रैली में 'लाल डायरी' का जिक्र किए जाने पर बेनीवाल ने कहा, 'प्रधानमंत्री को पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को राष्ट्रीय दर्जा देने जैसे विकास के मुद्दों पर बोलना चाहिए था, जो उनके हाथ में है।' आरएलपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी का सामूहिक सदस्यता कार्यक्रम 31 जुलाई से 31 अगस्त तक चलेगा।

राजस्थान में चुनाव को लेकर बढ़ने लगी सरगर्मियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां जोर पकड़ने लगी है और सत्तारुढ़ कांग्रेस एवं मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच नये नये मुद्दों के साथ आरोप प्रत्यारोप का दौर तेज होने लगा है वहीं कुछ अन्य दल नया विकल्प खड़ा करने के प्रयास शुरु कर दिए है। राज्य में विधानसभा चुनाव के अब केवल करीब तीन महीने शेष है और जहां कांग्रेस इस बार अपनी सरकार रिपीट कराने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित अन्य कांग्रेसी नेता जीजान से जुटे हुए है वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित भाजपा के अन्य कई वरिष्ठ नेता चुनाव को लेकर राजस्थान दौरों के चक्कर लगाने शुरु कर दिए है।

कांग्रेस इस चुनाव में अपनी गहलोत सरकार की ऐतिहासिक एवं जनहित एवं कल्याणकारी मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना, पुरानी पेंशन योजना, स्वास्थ्य का अधिकार एवं रोजगार एवं सामाजिक सुरक्षा की गारंटी आदि योजनाओं एवं महंगाई राहत शिविर जैसी अन्य कई उपलब्धियों के साथ देश में महंगाई के मुद्दे को लेकर जनता के बीच जाने लगी है जबकि भाजपा राज्य में भ्रष्टाचार एवं कानून व्यवस्था के मुद्दे के साथ केन्द्र की मोदी सरकार की उपलब्धियों को लेकर लोगों के बीच जा रही है।

इन दोनों प्रमुख दलों के बीच इन मुद्दों को लेकर आरोप प्रत्यारोप का दौर इतना तेज हो गया है कि इनके अलावा लाल डायरी जैसे नये मुद्दे भी आ गये है और भाजपा इस मुद्दे का हर मौके पर जिक्र कर रही है जबकि गहलोत सहित कांग्रेस के अन्य नेताओं ने इसे केवल हौवा करार दिया है और कहा है कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं बचने के कारण इस तरह की भ्रांतियां फैला रही है।

चुनाव के मद्देनजर दोनों पार्टियों के शीर्ष नेताओं के राजस्थान दौरे होने लगे है जिनमें हाल में प्रधानमंत्री ने सीकर का दौरा किया वहीं शनिवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने जयपुर में राजस्थान भाजपा कोर कमेटी बैठक लेकर चुनाव के मद्देनजर आगामी रणनीति पर विचार विमर्श किया गया।

भाजपा राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ नहीं सहेगा राजस्थान अभियान चला रखा है और अब एक अगस्त को सचिवालय का घेराव करने का कार्यक्रम भी है। इन दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के अलावा प्रदेश में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), आप सहित अन्य कुछ दलों ने भी चुनाव को लेकर अपनी गतिविधियां शुरु कर दी है जिनमें रालोपा के संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पिछले कई दिनों से राज्य के अलग अलग जगहों का दौरा कर रहे है और कांग्रेस और भाजपा दोनों को ही विफल बता रहे है ।

कांग्रेस ने अपनी चुनावी गतिविधियां बढ़ा दी है और आगामी नौ अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी बांसवाड़ा जिले में स्थित प्रसिद्ध मानगढ़ धाम में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि इस बार प्रदेश कांग्रेस आदिवासी दिवस मना रही है और राहुल गांधी नौ अगस्त को आदिवासियों के साथ यह दिवस मनायेंगे वहीं राज्य में कांग्रेस सरकार है और इस मौके आदिवासियों को सौगात भी देगी।

हालांकि अभी विधानसभा चुनाव की घोषणा नहीं हुई, इस कारण अभी राज्य में चुनावी सभाओं का दौर नहीं चला है लेकिन प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पिछले कई दिनों से लगे हुए है और एक के बाद एक ऐतिहासिक योजनाएं लाकर अन्य राज्यों के लिए भी उदाहरण बन रहे है। इतना ही नहीं राज्य सरकार की अपनी योजनाओं का लाभ प्रदेश के आखिरी छोर तक बैठे व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए पिछले दिनों महंगाई राहत शिविर शुरु किए , जिनसे साढ़े सात करोड़ से अधिक लोग जुड़े और करीब एक करोड़ अस्सी लाख परिवार लाभांवित हुए।

गहलोत राहत शिविरों में लोगों के साथ संवाद करने में भी जीजान लगा रखी थी और इसके बाद दोनों पैरों में चोट लगने के बावजूद उन्होंने अलग अलग योजनाओं के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री निवास पर संवाद कार्यक्रम आयोजित कर पुख्ता भी करने लगे है कि वास्तव में सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्ति तक पहुंच रहा है या नहीं। इससे लोगों में जागरुकता एवं उत्साह बढ़ा है।

भाजपा राज्य की कांग्रेस सरकार के खिलाफ नहीं सहेगा राजस्थान अभियान चला रखा है और अब एक अगस्त को सचिवालय का घेराव करने का कार्यक्रम भी है। इन दोनों प्रमुख राजनीतिक दलों के अलावा प्रदेश में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा), आप सहित अन्य कुछ दलों ने भी चुनाव को लेकर अपनी गतिविधियां शुरु कर दी है जिनमें रालोपा के संयोजक एवं नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल पिछले कई दिनों से राज्य के अलग अलग जगहों का दौरा कर रहे है और कांग्रेस और भाजपा दोनों को ही विफल बता रहे है ।

राजस्थान को मिला बेस्ट कल्चरल टूरिज्म डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अपनी कला संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और पर्यटन के लिए विशेष पहचान रखने वाले राजस्थान को एक और पुरस्कार से नवाजा गया है। बेंगलुरु में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट समारोह में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे पर्यटन विभाग को बेस्ट कल्चरल टूरिज्म डेस्टिनेशन ऑफ द ईयर अवार्ड के लिए चुना गया है।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट बेंगसलूरु में आयोजित इस समारोह में पर्यटन विभाग की तरफ से अतिरिक्त निदेशक आनंद कुमार त्रिपाठी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया। इस आयोजन में राजस्थान पर्यटन के पवेलियन में राज्य की 14 ट्रैवल एजेंसीज और होटलियर्स ने भाग लिया। राजस्थान पर्यटन दल द्वारा एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्य सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र में उठाए गए कदमों, नवीन योजनाओं की जानकारी और पर्यटन प्रचार फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। साथ ही पवेलियन में पधारे स्थानीय ट्रैवल एजेंटों और आम जन को राजस्थान के पर्यटन स्थलों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इंडिया इंटरनेशनल ट्रेवल मार्ट बेंगलूरु में राजस्थान पर्यटन के पवेलियन में मुख्य अतिथि कर्नाटक सरकार के कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच. के.पाटिल का पर्यटन विभाग के अतिरिक्त निदेशक आनंद कुमार त्रिपाठी ने स्वागत किया। इस दौरान राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के पर्यटन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ मारपीट के आरोपी 18 छात्र निष्कासित

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने अधिकारियों के साथ मारपीट करने एवं कुलपति के कार्यालय में तोड़फोड़ के आरोप में 18 छात्रों को निष्कासित कर दिया और छह बाहरी लोगों के विश्वविद्यालय परिसर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। गोरखपुर विश्वविद्यालय के मुख्य प्रॉक्टर सत्यपाल सिंह ने एक बयान में बताया है कि इस मामले की जांच के बाद शनिवार को यह निर्णय लिया गया। सिंह ने कहा, निष्कासित छात्र परीक्षा नहीं दे पाएंगे और उन्हें परिसर और विश्वविद्यालय के छात्रावासों में भी प्रवेश नहीं मिलेगा। सभी निष्कासित छात्र और प्रतिबंधित लोग अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) के सदस्य हैं। छात्रों ने फीस वृद्धि, परीक्षा कार्यक्रम तथा छात्रावास आवंटन में व्याप्त कथित अनियमितताओं के खिलाफ 21 जुलाई को विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान कुलपति और विश्वविद्यालय के अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों से बातचीत की कोशिश की थी लेकिन इसी दौरान बात बिगड़ गई और कुछ छात्रों ने कुलपति और अन्य अधिकारियों पर कथित रूप से हमला कर दिया था और दफ्तर में तोड़फोड़ की। इस घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

उमेश पाल हत्याकांड में वांछित विजय मिश्रा गिरफ्तार

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के सनसनीखेज उमेश पाल हत्याकांड में माफिया अतीक अहमद के वकील और वांछित आरोपी विजय मिश्रा को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उपायुक्त (नगर) दीपक भूकर ने बताया कि उमेश पाल हत्याकांड में वांछित मिश्रा को धूमनगंज थाने की पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि मिश्रा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत कई मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस के मुताबिक, मिश्रा को लखनऊ के एक होटल के बाहर से गिरफ्तार किया गया और उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लूटपाट की मास्टरमाइंड 20 हजार की इनामी युवती प्रेमी संग गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। नोएडा में सेक्टर 113 थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक इंजीनियर से उसकी क्रेटा कार, चेन और नकदी लूटने के मामले में बीते एक माह से फरार 20 हजार रुपए की एक इनामी युवती को उसके प्रेमी संग रविवार को गिरफ्तार कर लिया और उनके पास से लूट के सामान बरामद किए। पुलिस ने इस इनामी युवती की पहचान मनस्वी शुक्ला उर्फ श्रुति उर्फ गुनगुन उर्फ तारा तथा उसके पुरुष साथी की पहचान इटावा के अमित कुमार उपाध्याय के रूप में की है। दोनों सेक्टर-113 थाना क्षेत्र में रहते थे। इस मामले में विनोद उर्फ मनोज अभी भी फरार है।

बलिया में संदिग्ध परिस्थितियों में किशोरी का शव मिला

बलिया/भाषा। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के भीमपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव में 15 वर्षीय एक किशोरी का उसके घर के एक कमरे में शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिला। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) मोहम्मद फहीम कुरैशी ने बताया कि किशोरी के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना के संबंध में परिजनों की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं प्राप्त हुई है। कुरैशी के मुताबिक, किशोरी की गर्दन पर चोट के निशान मिले हैं और पुलिस के हाथ कथित तौर पर घटना से कुछ समय पहले रिकॉर्ड किया गया एक वीडियो लगा है, जिसमें मृतका एक खेत में एक युवक से बात करते हुए दिखाई दे रही है। कुरैशी के अनुसार, वीडियो में किशोरी के साथ नजर आ रहे युवक को उसका प्रेमी बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवक किशोरी के पड़ोस में रहता है और रिश्ते में उसका चचेरा भाई लगता है। कुरैशी के मुताबिक, पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है, जिसके बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

झारखंड के गढ़वा से पांच लाख का इनामी माओवादी गिरफ्तार

गढ़वा (झारखंड)/भाषा। झारखंड के गढ़वा जिले में रविवार को पांच लाख का इनामी माओवादी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार माओवादी प्रतिबंधित मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) से अलग हुए एक माओवादी समूह का नेता है। रंका उप अनुमंडल के पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने रांची से लगभग 205 किलोमीटर दूर रमकंडा पुलिस थाने के सीमा अंतर्गत चेटे पाटसर जंगल में छापेमारी की और प्रतिबंधित संगठन झारखंड जन मुक्ति परिषद के नेता को पकड़ लिया। कुमार ने कहा कि गैरकानूनी माओवादी संगठन के स्वघोषित सब-जोनल कमांडर मनोज परहिया पर पांच लाख रुपए का इनाम था और उसे सुबह जंगल से गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि जिले के गोरेया करम गांव का निवासी परहिया पहले प्रतिबंधित संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) से भी जुड़ा था।

आम आदमी पार्टी अरुणाचल प्रदेश में अगला लोकसभा और विधानसभा चुनाव लड़ेगी

ईटानगर/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) अगले साल अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा दोनों चुनाव लड़ेगी। पार्टी के राष्ट्रीय सचिव (संगठन) डॉ. संदीप पाठक ने रविवार को नई दिल्ली में यह कहा। आप की अरुणाचल प्रदेश इकाई की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पाठक ने पार्टी संगठन को मजबूत करने और जनता से जुड़ने का सुझाव दिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से गरीबों और वंचितों के लिए काम करने का आग्रह किया। आप की अरुणाचल इकाई के महासचिव टोको निकम के अनुरोध का जवाब देते हुए पाठक ने कहा कि पार्टी राज्य में एक रैली आयोजित करेगी। आप की अरुणाचल इकाई के अध्यक्ष यमरा ताया ने राज्य की मौजूदा स्थिति का जिक्र किया। उन्होंने पार्टी की प्रमुख नीतियों को रेखांकित किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को नई वैश्विक पहचान दी : मनोहर लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंचितों को अधिकार प्रदान करने और भारत को एक नई वैश्विक पहचान दिलाने के लिए काम किया है।

मनोहर लाल ने रेवाड़ी जिले के गंगाइचा अहीर गांव में आयोजित अपने जन संवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार अंत्योदय के दर्शन का पालन करते हुए लगातार विकास कार्यों को गति दे रही है। उन्होंने कहा, जन संवाद का आयोजन जमीनी स्तर पर अधिकतम लोगों तक पहुंचने का एक माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने कहा, पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंचितों को अधिकार प्रदान करने और भारत को एक नई वैश्विक पहचान दिलाने के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े आठ वर्षों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनाते हुए भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए कई कदम उठाए हैं और कुछ हद तक सफलता भी मिली है।

मनोहर लाल ने कहा कि मेहनतकश युवाओं को योग्यता के आधार पर रोजगार मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों से कहा कि अगर कोई नौकरी दिलाने का वादा कर उनसे पैसे की मांग करता है तो वे इसकी जानकारी उनके साथ साझा कर सकते हैं और ऐसे भ्रष्ट लोगों को 24 घंटे के भीतर सलाखों के पीछे डालने का वादा भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार पहचान पत्र विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है, इसलिए प्रत्येक परिवार को परिवार पहचान पत्र अवश्य बनवाना चाहिए।

इससे पहले, रेवाड़ी के धारूहेड़ा में आयोजित 'उद्यम संवाद' कार्यक्रम के दौरान उद्यमियों के साथ बातचीत में खट्टर ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कार्यालय खोले जाएंगे। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे।

मणिपुर में स्थिति बहुत गंभीर, सरकार नहीं उठा रही कड़े कदम : विपक्षी दलों के सांसद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने रविवार को आरोप लगाया कि मणिपुर में अनिश्चितता और भय व्याप्त है तथा केंद्र और राज्य सरकार वहां बहुत गंभीर स्थिति से निपटने के लिए कोई मजबूत कदम नहीं उठा रही है। विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' का एक प्रतिनिधिमंडल दो दिवसीय दौरे के बाद हिंसा प्रभावित मणिपुर से लौट आया है। 'इंडिया' गठबंधन ने इस बात पर जोर दिया कि पिछले तीन महीने से जारी मणिपुर जातीय संघर्ष जल्द हल नहीं किया गया, तो यह देश के लिए सुरक्षा समस्याएं पैदा कर सकता है।

इससे पहले, इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) के 21 सांसदों के प्रतिनिधिमंडल ने इंफाल में राजभवन में मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और यात्रा के दौरान अपनी टिप्पणियों पर एक ज्ञापन सौंपा। लोकसभा में कांग्रेस के नेता चौधरी ने पूर्वोत्तर राज्य से लौटने के बाद यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, मणिपुर के लोगों के मन में डर और अनिश्चितता है। मणिपुर में स्थिति बहुत गंभीर है। उन्होंने कहा, मणिपुर में काफी अनिश्चितता है। हजारों लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं। उन्हें नहीं पता कि वे अपने घरों में कब लौटेंगे। खेती ठप हो गई है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि कुकी और मेइती के बीच विभाजन को कैसे पाटा जाएगा। चाहे वह केंद्र सरकार हो या राज्य सरकार, सरकार द्वारा कोई मजबूत कदम नहीं उठाया गया है।

मणिपुर मुद्दे पर संसद का मानसून सत्र भी प्रभावित हुआ है और विपक्षी दलों का गठबंधन प्रधानमंत्री के बयान की मांग कर रहा है। विपक्ष ने अब लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया है। वहीं, सरकार ने मणिपुर की स्थिति से निपटने के अपने तरीके का बचाव किया है और इस बात पर जोर दिया है कि वह अतीत की सरकारों की तुलना में अधिक सक्रिय रही है, जब राज्य में जातीय हिंसा भड़क उठी थी।

हालांकि, विपक्षी दलों के प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सरकारी तंत्र मणिपुर जातीय संघर्ष को नियंत्रित करने में पूरी तरह से विफल रहा है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चुप्पी की आलोचना करते हुए उन पर पूर्वोत्तर राज्य की स्थिति के प्रति उदासीनता दिखाने का आरोप लगाया।

कुकी नेता ने मणिपुर में नए संघ शासित प्रदेशों के गठन की वकालत की

कोलकाता/भाषा। मणिपुर में जातीय हिंसा के दौरान सुर्खियों में आए कुकी समुदाय के नेता व भारतीय जनता पार्टी के विधायक पाओलिनलाल हाओकिप का कहना है कि राज्य में जातीय हिंसा का समाधान तीन अलग-अलग संघ शासित प्रदेशों का गठन है। पीटीआई-भाषा के साथ साक्षात्कार में हाओकिप ने राज्य में जातीय अलगाव को राजनीतिक और प्रशासनिक मान्यता' देने की पैरवी करने के साथ ही कुकी समुदाय के नेताओं द्वारा कुकी इलाकों के 'पृथक प्रशासन' की अस्पष्ट मांग को सही ठहराया। हालांकि, मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और इंफाल के विभिन्न संगठनों के मुखौटा संगठन सीओसीओएमआई (कॉर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटेग्रिटी) के नेतृत्व वाले मेइती समूहों ने राज्य को बांटने के किसी भी कदम के खिलाफ स्पष्ट अनिच्छा जताई है।

विश्लेषकों का कहना है कि कुकी समूहों... कुकी नेशनल ऑर्गेनाइजेशन और यूनाइटेड पीपुल्स फ्रंट... के साथ बातचीत कर रही केन्द्र सरकार भी ऐसे बंटवारे के खिलाफ है। लेकिन भाजपा नेता हाओकिप ने पीटीआई-भाषा से कहा, जहां तक मुझे नजर आ रहा है... केन्द्र सरकार के लिए आगे का रास्ता है कि वह राज्य में जातीय अलगाव को राजनीतिक और प्रशासनिक पहचान दे और मणिपुर का तीन संघ शासित प्रदेशों के रूप में पुनर्गठन करे। आलोचकों ने स्पष्ट किया है कि तीन संघ शासित प्रदेशों के गठन से मणिपुर में अलग-अलग नगा, कुकी और मेइती क्षेत्र होंगे और कई जिलों और गांवों में मिश्रित आबादी होने के कारण इससे बहुत परेशानी होगी।

बच्चों की तस्करी की सर्वाधिक घटनाएं उप्र, बिहार और आंध्र में, दिल्ली में हालात चिंताजनक : अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वर्ष 2016 से 2022 के बीच बच्चों की तस्करी की सर्वाधिक घटनाओं के लिहाज से उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश शीर्ष तीन राज्यों में शामिल हैं, जबकि दिल्ली में कोविड-19 से पहले के मुकाबले महामारी के बाद के चरण में बाल तस्करी के मामलों में 68 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) के नए अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है।

'चाइल्ड ट्रैफिकिंग इन इंडिया : इनसाइट फ्रॉम सिचुएशनल डेटा एनालिसिस एंड नीड फॉर टेक-ड्रिवन इंटरवेंशन स्ट्रेटजी' शीर्षक वाली एक व्यापक रिपोर्ट में इन आंकड़ों का खुलासा किया गया है। इस रिपोर्ट को 'गेम्स 247' और कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन (केएससीएफ) ने संयुक्त रूप से मिलकर तैयार किया है।

कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रन फाउंडेशन (केएससीएफ) के संस्थापक शांति के लिए नोबेल पुरस्कार जीतने वाले कैलाश सत्यार्थी हैं। यह रिपोर्ट रविवार को 'विश्व मानव तस्करी निरोधक दिवस' के मौके पर जारी की गई, जो देश में बाल तस्करी की चिंताजनक स्थिति को बयां करती है। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, बिहार और आंध्र प्रदेश तीन ऐसे शीर्ष राज्य हैं, जहां 2016 से 2022 के बीच सबसे ज्यादा बच्चों की तस्करी हुई।

मायावती ने स्वामी प्रसाद मौर्य पर चुनाव पूर्व लाभ के लिए धार्मिक उन्माद भड़काने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य पर चुनाव पूर्व लाभ के लिए समुदायों के बीच धार्मिक उन्माद भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने ज्ञानवापी परिसर में वैज्ञानिक सर्वेक्षण की कवायद को लेकर मौर्य के विवादित बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की। मौर्य ने कहा था कि बद्रीनाथ सहित कई मंदिर बौद्ध मठों को तोड़कर बनाए गए थे और न सिर्फ ज्ञानवापी मस्जिद, बल्कि अन्य प्रमुख मंदिरों का भी आधुनिक सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए।

मायावती ने ट्वीट किया, समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का ताजा बयान कि बद्रीनाथ सहित कई मंदिर बौद्ध मठों को तोड़कर बनाए गए हैं और आधुनिक सर्वे अकेले ज्ञानवापी मस्जिद का क्यों, बल्कि अन्य प्रमुख मंदिरों का भी होना चाहिए, नए विवाद को जन्म देने वाला विशुद्ध राजनीतिक बयान है। उन्होंने सवाल किया, मौर्य उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में लंबे समय तक मंत्री रहे, लेकिन तब उन्होंने इस संबंध में पार्टी और सरकार पर दबाव क्यों नहीं बनाया? और अब चुनावों के मौसम में ऐसा धार्मिक विवाद पैदा करना उनकी और सपा की घिनौनी राजनीति नहीं तो क्या है? बौद्ध और मुस्लिम समाज इनके बहकावे में नहीं आने वाले हैं।

सपा के राष्ट्रीय महासचिव मौर्य ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा था, आखिर मिर्ची लगी न, अब आस्था याद आ रही है। क्या औरों की आस्था, आस्था नहीं है?

काउंटी क्रिकेट में नहीं खेलेंगे रहाणे

लंदन/भाषा। भारत के सीनियर बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने लीस्टरशर की तरफ से काउंटी क्रिकेट में नहीं खेलेंगे क्योंकि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के व्यस्त कार्यक्रम के बाद खेल से कुछ दिनों का विश्राम लेना चाहते हैं।

पैंतीस वर्षीय रहाणे को जून में काउंटी क्लब लीस्टरशर से जुड़ना था लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की प्रतिबद्धताओं को देखते हुए वह तब क्लब से नहीं जुड़ पाए थे। वह इंडियन प्रीमियर लीग के बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेलने के लिए इंग्लैंड चले गए थे और फिर इस महीने के शुरू में वेस्टइंडीज दौरे पर भी वह भारतीय टीम का हिस्सा थे। क्लब ने कहा कि उनके पूर्व के कार्यक्रम में यह प्रतिबद्धताएं शामिल नहीं थी और अब रहाणे अगस्त और सितंबर में क्रिकेट से विश्राम लेना चाहते हैं जिसका मतलब है कि वह पूर्व कार्यक्रम के अनुसार लीस्टरशर की तरफ से नहीं खेल पाएंगे।

लीस्टरशर के क्रिकेट निदेशक क्लाउड हेंडरसन ने बयान में कहा, हम अजिंक्य की स्थिति को अच्छी तरह से समझते हैं। हाल में उनका कार्यक्रम काफी व्यस्त था और हम इससे उबरने और अपने परिवार के साथ समय बिताने की उनकी इच्छा को स्वीकार करते हैं। उन्होंने कहा, हम अजिंक्य के साथ लगातार संपर्क में रहे हैं और इस बात को स्वीकार करते हैं कि क्रिकेट में परिस्थितियां कैसे तेजी से बदल सकती हैं। हमें उम्मीद है कि एक दिन वह लीस्टरशर की तरफ से जरूर खेलेंगे। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे की जगह ऑस्ट्रेलिया के पीटर हैंड्सकॉम्ब लेंगे।

बृजभूषण का दावा, 22 राज्य इकाईयों ने उनकी बैठक में हिस्सा लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के निवर्तमान अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह ने दावा किया कि 25 में से 22 राज्य इकाईयों ने रविवार को उनके द्वारा बुलाई गई एक बैठक में हिस्सा लिया और साथ ही उन्होंने कहा कि 12 अगस्त को महासंघ के चुनावों के लिए विभिन्न पदों पर उनके उम्मीदवारों की घोषणा 31 जुलाई को की जाएगी। नामांकन भरने की अंतिम तारीख सोमवार तक है।

भाजपा सासंद बृज भूषण ने यहां पांच सितारा होटल में यह बैठक बुलाई। उन्होंने कहा, डब्ल्यूएफआई से जुड़े 25 राज्य इकाईयों में से 22 ने बैठक में हिस्सा लिया। (हमारे) उम्मीदवारों की घोषणा सोमवार को की जाएगी। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित देश के शीर्ष छह पहलवानों ने बृज

भूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। वह चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य हैं क्योंकि महासंघ के प्रमुख के तौर पर उन्होंने 12 साल पूरे कर लिए हैं और राष्ट्रीय खेल संहिता के अंतर्गत एक पद पर इतनी ही अधिकतम अवधि तक काबिज रहने की अनुमति दी जा सकती है। बैठक में हिस्सा लेने वाले एक राज्य इकाई के सदस्य ने गोपनीयता की शर्त पर कहा कि भाजपा नेता का दामाद (जिन्हें डब्ल्यूएफआई के शीर्ष पद पर बृज भूषण के उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है और 12 अगस्त को डब्ल्यूएफआई चुनाव में बिहार के एक प्रतिनिधि) इस शीर्ष पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेगा।

'स्टूअर्ट ब्रॉड विशिष्ट क्रिकेटर'

ब्रिजटाउन/भाषा। भारत के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने संन्यास की घोषणा करने वाले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज स्टूअर्ट ब्रॉड को ' विशिष्ट क्रिकेटर' करार दिया जिनकी जेम्स एंडरसन के साथ जोड़ी क्रिकेट जगत में हमेशा याद रखी जाएगी। सैंतीस वर्षीय ब्रॉड ने शनिवार को घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लंदन के ओवल में चल रहे पांचवें और अंतिम एशेज टेस्ट मैच के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगे। द्रविड़ ने यहां दूसरे वनडे में भारत की वेस्टइंडीज से छह विकेट से हार के बाद कहा, वह (ब्रॉड) शानदार गेंदबाज रहे हैं। वह महान गेंदबाज हैं। जिम्मी एंडरसन के साथ उनकी जोड़ी को हमेशा याद रखा जाएगा। उन्होंने कहा, एंडरसन और ब्रॉड पूरे दशक तक इंग्लैंड के लिए खेलते रहे और उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया।

हार्दिक ने गेंदबाजी कार्यभार प्रबंधन पर कहा, मैं अभी कछुआ हूं, खरगोश नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ब्रिजटाउन/भाषा। भारत के वनडे में कार्यवाहक कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपने गेंदबाजी कार्यभार प्रबंधन को लेकर कहा कि अभी वह इस मामले में 'कछुआ हैं खरगोश नहीं' लेकिन अक्टूबर-नवंबर में स्वदेश में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप को ध्यान में रखते हुए वह इसमें तेजी लाना चाहते हैं।

पंड्या का हाल के दिनों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में गेंदबाज के रूप में कम इस्तेमाल किया गया। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में उन्होंने तीन ओवर में 17 रन देकर एक विकेट लिया जबकि दूसरे वनडे में उन्होंने 6.4 ओवर

में 38 रन दिए और उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। पंड्या ने बारिश से प्रभावित दूसरे वनडे में भारत की छह विकेट से हार के बाद कहा, मेरा शरीर अच्छा है। मुझे अधिक ओवर करने होंगे और विश्वकप को ध्यान में रखते हुए अपना कार्यभार बढ़ाना होगा। मैं अभी खरगोश नहीं, बल्कि कछुआ हूं और उम्मीद कर रहा हूं कि विश्व कप आते-आते सब कुछ ठीक हो जाएगा। भारतीय टीम प्रबंधन का नियमित कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को विश्राम देने का फैसला सही साबित नहीं हुआ तथा पूरी टीम 181 रन पर आउट हो गई। वेस्टइंडीज ने आसानी से लक्ष्य हासिल करके तीन मैचों की शृंखला 1-1 से बराबर की लेकिन पंड्या का मानना है कि इससे तीसरा और अंतिम मैच अधिक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बन गया है। उन्होंने कहा, ईमानदारी से कहूं तो आप तीसरे मैच में 1-1 की बराबरी के साथ जाना चाहते हैं क्योंकि इससे वह अधिक चुनौतीपूर्ण और रोमांचक बन जाता है। अब शृंखला बराबर है और आगे उनकी भी परीक्षा होगी और हमारी भी। अगला मैच दर्शकों के लिए और हमारे लिए भी रोमांचक बन गया है।

अखिलेश यादव का दावा, उत्तर प्रदेश के अस्पतालों में 'खराब' हो चुकी दवाओं से मौत के मामले बढ़ रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर कटाक्ष करते हुए रविवार को दावा किया कि राज्य में 'एक्सपायर' हो चुकी दवाओं (ऐसी दवाएं, जिनके इस्तेमाल की अवधि खत्म हो चुकी है) से मौत के मामले बढ़ रहे हैं। अखिलेश ने प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए लोगों को अस्पतालों में दी जाने वाली दवाओं की सावधानीपूर्वक जांच-परख कर लेने की सलाह दी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया, चेतावनी! उप्र के अस्पतालों में मरीज और उनके परिजन अच्छी तरह से जांच-परखकर ही दवा, इंजेक्शन या ग्लूकोज लें कि कहीं इस्तेमाल की अवधि के लिहाज से वे बेकार या 'एक्सपायर' तो नहीं हो गए। दवाओं, इंजेक्शन और ग्लूकोज के जानलेवा साबित होने की खबरें लगातार बढ़ रही हैं। भाजपा सरकार मरीजों को तो अपने भ्रष्टाचार से दूर रखे। अखिलेश ने अन्य ट्वीट में वीडियो साझा किया, जिसमें लोग एंबुलेंस को धक्का देते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, खस्ताहाल भाजपा सरकार में एंबुलेंस को खुद ही 'एंबुलेंस' की जरूरत है।

सुविचार

चेहरे अक्सर झूठ भी बोला करते हैं, रिश्तों की हकीकत वक़्त पर पता चलती हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

संस्कारों की डोर

हाल में भारत–पाक में कुछ लोगों के बीच सोशल मीडिया के जरिए 'प्रेम–प्रसंग' और परिवार को बिना बताए वैध/अवैध तरीके से दूसरे देश में जाने की घटनाएं कई सवाल खड़े करती हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा विषय तो है ही, उस परिवार के लिए भी कम चुनौतीपूर्ण नहीं है, जिसका कोई सदस्य सरहद पार चला जाता है। फिर ख़बर आती है कि उसने वहां शादी कर ली! अभी सीमा–सचिन प्रकरण नहीं सुलझा था कि अंजू नामक भारतीय महिला पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा चली गई। सीमा के चार बच्चे हैं, जिन्हें वह साथ लेकर आई। उसका पति सऊदी अरब में नौकरी करता है। जबकि अंजू अपने दोनों बच्चों को भारत में ही छोड़कर चली गई। उसका पति यहीं एक कंपनी में काम करता है। अंजू से संबंधित अब तक जो भी ख़बरें आई हैं, उनसे मामला और उलझ गया है। कभी पाकिस्तानी मीडिया में खबर आती है कि वहां उसने अपने पुरुष मित्र नसरुल्ला से शादी कर ली, कभी खबर आती है कि शादी नहीं की। इधर, सीमा कह रही है कि उसका अपने पति से तलाक हो चुका है और वह सचिन से शादी करना चाहती है। जबकि उसका पति यह दावा कर रहा है कि दोनों की शादी बरकरार है। पूर्व में भी ऐसे कुछ मामले सामने आ चुके हैं। प्राय: उनमें सोशल मीडिया की भूमिका रही है। ऐसा देखा गया है कि लोग सोशल मीडिया के जरिए बातचीत शुरू करते हैं। धीरे–धीरे घनिष्ठता बढ़ जाती है। फिर एक दिन खबर आती है कि सरहद पार से कोई आया/आई है, अब एक नई 'प्रेमकथा' लिखी जाएगी! सवाल है– सोशल मीडिया के जरिए बातचीत कर किसी पर इतना विश्वास कर लेना कहां तक उचित है कि उसके साथ ज़िंदगी बिताने के लिए अपनी घर–गृहस्थी दांव पर लगा दी जाए? क्या यह मर्यादा की दृष्टि से उचित है? इसके नतीजे बहुत खतरनाक हो सकते हैं। खासतौर से तब, जब पड़ोसी देश पाकिस्तान में आतंकवादी संगठनों का इतना ज्यादा बोलबाला है।

सीमा और अंजू के मामले इतने ज्यादा चर्चित होने के बाद कुछ लोगों को यह 'भ्रम' हो सकता है कि सरहद पार जाना बहुत आसान है। वे भी ऐसा कर मशहूर हो जाएंगे, उनके भी टीवी पर इंटरव्यू आएंगे! सोशल मीडिया पर ऐसी टिप्पणियों की भरमार है, जिनमें कुछ युवा इस बात को लेकर 'पछतावा' कर रहे हैं कि उन्होंने पब्जी गेम नहीं खेला! आज किशोरों, युवाओं पर सोशल मीडिया का इतना गहरा असर है कि वे उस पर मिलने वाले लोगों पर आसानी से विश्वास कर लेते हैं। हाल में राजस्थान के जयपुर हवाईअड्डे पर सुरक्षाकर्मियों को एक लड़की पर संदेह हुआ तो उन्होंने उससे पूछताछ की। उसके पास 'ज़रूरी काग़ज़ात' नहीं थे और वह अपने इंस्टाग्राम दोस्त से मिलने पाकिस्तान जाने के लिए हवाईअड्डे पर आई थी। लड़की नाबालिग थी। इंस्टाग्राम पर उसका पाकिस्तानी 'दोस्त' उसे बुला रहा था। लड़की ने सोचा कि 'जब सीमा, अंजू के मामले में सरहद पार जाना संभव था, तो वह भी पाकिस्तान चली जाएगी!' यह देश में क्या हो रहा है? क्या कोरी भावुकता के आधार पर ऐसा फैसला लेने वाले यह नहीं सोचते कि इससे वे गंभीर संकट में फंस सकते हैं? ऐसे मामलों के पीछे एक बड़ा कारण पारिवारिक माहौल हो सकता है। आज परिवार के सदस्यों के बीच बातचीत कम होने लगी है। हर किसी के पास अपना मोबाइल फोन है। पहले रात्रि भोजन के समय सब लोग साथ बैठते थे। आज कई परिवारों में यह परंपरा लुप्त हो चुकी है। मोबाइल फोन की आभासी दुनिया से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में कौन किससे बातचीत कर रहा है, क्या सर्च कर रहा है, क्या अपलोड/डाउनलोड कर रहा है ... की जानकारी नहीं है। देश–विदेश के लोगों से बातचीत हो रही है, लेकिन परिवार के अंदर संवादहीनता जन्म ले रही है! निस्संदेह तकनीक आज की अनिवार्यता है। पढ़ाई–लिखाई हो या घरेलू कामकाज या नौकरी आदि, इस पर निर्भरता बढ़ रही है और भविष्य में बढ़ेगी, लेकिन इसका आदी होकर अपना घर–परिवार उजाड़ देना, अजनबी विदेशियों को अपना सबकुछ मान लेना और उनके साथ ज़िंदगी बिताने का इरादा कर मर्यादाएं भूल जाना उचित नहीं है। ऐसे मामलों में सरकारें, जांच एजेंसियां, अदालतें अपना काम करेंगी। साथ ही परिवारों को भी ध्यान देना होगा। उन्हें संस्कारों की डोर मजबूत करनी होगी। संवादहीनता खत्म करनी होगी।

ट्वीटर टॉक

यह कांग्रेस शासित राजस्थान है, जहां एक महिला के साथ दुष्कर्म होता है, पीड़िता मामला पुलिस में दर्ज करवाती है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने से अवसाद में आकर विषाक्त खाकर आत्महत्या का प्रयास करती है।

–सीपी जोशी

जुलाई का महीना यानी मॉनसून का महीना, बारिश का महीना। बीते कुछ दिन प्राकृतिक आपदाओं के कारण चिंता और परेशानी से भरे रहे हैं। यमुना समेत कई नदियों में बाढ़ से कई इलाकों में लोगों को तकलीफ उठानी पड़ी। पहाड़ी इलाकों में भू–स्खलन की घटनाएं भी हुई हैं।

–नरेन्द्र मोदी

धौलपुर में मोहर्रम का ताजिया दफनाते वक्त विद्युत दुर्घटना का दुःखद समाचार प्राप्त हुआ। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में मृत हुए व्यक्तियों के परिजनों के साथ हमारी गहन संवेदनाएं हैं। घायल के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूँ।

–अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

संकल्प से सफलता

मोंटी के पिता घोड़ों के ट्रेनर थे। मोंटी इस बात से बड़ा दुःखी रहता था कि उसके पिता को इस अस्तबल से उस अस्तबल पर घोड़ों की ट्रेनिंग के लिए जाना पड़ता है। उन्हें विश्राम का वक्त ही नहीं मिलता। मोंटी के स्कूल के दिनों की बात है, उसके अध्यापक ने छात्रों को एक प्रश्न का उत्तर लिखने को दिया। प्रश्न था– तुम बड़े होकर क्या बनना चाहते हो। साथ ही निर्देश दिया कि उत्तर में वास्तविकता हो। काल्पनिक न हो। मोंटी ने लिखा– मैं बड़ा होकर अस्तबल का मालिक बनना चाहता हूं। अध्यापक ने यह उत्तर पढ़कर मोंटी को सबसे नीचा ग्रेड 'एफ' देकर फेल कर दिया। अध्यापक ने उसे समझाते हुए कहा– यह सपना तुम्हारे जैसे लड़के के लिए बहुत अवास्तविक है, तुम्हारे परिवार के पास न पैसा है, न संसाधन हैं। इतने बड़े लक्ष्य तक तुम नहीं पहुंच पाओगे। अपने लेख को यथार्थवादी दृष्टिकोण से फिर लिख कर लाओ। दो दिनों के बाद मोंटी ने अपना पुराना उत्तर ही अध्यापक के सामने रखते हुए कहा– आप मेरे उत्तर का 'एफ' ग्रेड ही रखो और मैं अपना सपना बरकरार रखूंगा। अब मोंटी के पास चार हज़ार वर्ग फुट में घर और दो सौ एकड़ में घोड़ों को ट्रेंड करने के लिए एक खेत है, जहां इंग्लैंड के हर कोने से लोग अपने घोड़ों को ट्रेनिंग दिलाने आते हैं।

सामयिक

खोजें अपनी जिंदगी का उद्देश्य एवं सकारात्मक दिशाएं

ललित गर्ग
मो. 9811051133

जिंदगी का कोई लम्हा मामूली नहीं होता, हर पल वह हमारे लिए कुछ-न-कुछ नया पेश करता रहता है-जब हमारी ऐसी सोच बनती है तभी हम अपने आप से रूबरू होते। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के बिना हमारी लक्ष्य की तलाश और तैयारी दोनों अधूरी रह जाती है। स्वयं की शक्ति और ईश्वर की भक्ति भी नाकाम सिद्ध होती है और यही कारण है कि जीने की हर दिशा में हम औरों के मुहताज बनते हैं, औरों का हाथ थामते हैं, उनके पदचिन्ह खोजते हैं।

उतार–चढ़ाव, हर्ष–विषाद, सुख–दुःख हर इंसान के जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी इन जटिलताओं के बीच एक सपना एवं जिजीविषा जरूर होनी चाहिए जो आपको हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहे। जीवन ऐसे जीना चाहिए जैसे जिंदगी का आखिरी दिन हो। भले ही हमारी जिंदगी उतार–चढ़ावों से भरी हो फिर भी हमें बढ़िया और नेक काम करते हुए जीवन के पल–पल को उत्साह एवं उमंग से जीना चाहिए। लेकिन हमारी बढ़िया या नेक काम करने की इच्छा अधूरी ही रहती है क्योंकि अक्सर जब हम जिंदगी के बुरे दौर से गुजरते हैं, तब उससे निकलने और जब अच्छे दौर में होते हैं, तब उस स्थिति को बरकरार रखने में जिन्दगी बिता देते है। हर इंसान के जीवन में निराशा एवं असंतुष्टि पसरी है। आंकड़े बताते हैं कि करीब 70 फीसदी लोग अपनी मौजूदा नौकरी या काम से संतुष्ट नहीं हैं और करीब 53 फीसदी लोग किसी भी रूप में खुश नहीं हैं। यह एक चिंताजनक बात है। जब हम दिल से प्रसन्न नहीं होते तो हमारे अंदर से आगे बढ़ने की चाह खत्म होने लगती है। और फिर धीरे–धीरे तनाव बढ़ने लगता है, जो जीवन को नीरस और उबाऊ बना देता है।

जिन्दगी तो सभी जीते हैं, लेकिन यहां बात यह मायने नहीं रखती कि आप कितना जीते हैं, बल्कि लोग इसी बात को ध्यान में रखते हैं कि आप किस तरह और कैसे जीते हैं। जीवन में आधा दुख तो इसलिए उठाते फिरते हैं कि हम समझ ही नहीं पाते हैं कि सच में हम क्या हैं? क्या हम वही है जो स्वयं को समझते हैं? या हम वो हैं जो लोग समझते हैं। हमारे संकल्प और हमारे आदर्श सांसारिक जीवन के बंधनों में बंधे रहने के बजाय उच्च लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बढ़ना चाहते हैं, लेकिन मन की इच्छाएं इसके विपरीत होती हैं। इन दोनों में लगातार संघर्ष चलता रहता है। इस संघर्ष में जीत अक्सर मन की इच्छाएं की ही होती है। इसका कारण यह है कि इच्छाओं की मांगें पूरी करने में मनुष्य को तुरंत सुख और आनंद मिलता है। इसके विपरीत आदर्श को जीने या आदर्श की अपेक्षाओं को पूरा करने में मनुष्य को शुरुआती दौर में अपने सुख और आनंद का बलिदान करना होता है। इसलिए लोग सामान्यतया ऐसा करने से बचते हैं। अगर यही स्थिति लंबे समय तक बनी रहे और आदर्श की अपेक्षाओं को दबाया जाता रहे, तो धीरे–धीरे आदर्श की उड़ान समाप्त होने लगती है।

महान और आदर्श काम करने के लिए अक्ल से ज्यादा दिलेरी की जरूरत होती है और यह दिलेरी लुप्तप्राय होती जा रही है। आज लगभग देश और दुनिया इसी आदर्शहीनता के स्थिति से ही मुखातिब है। सीधे–सीधे आसान रास्तों पर चलते हुए भी कोई भटकता रह जाता है। कुछ भटकते हुए भी मंजिल की ओर ही कदम बढ़ा रहे होते हैं। दरअसल, जब भीतर और बाहर का मन एकरूप होता है तो भटकना बेचैन नहीं करता। भरोसे और भीतर की ऊर्जा से जुड़े कदम आप ही राह तलाश लेते हैं। ओशो कहते हैं, 'भटकता वही है, जो अपने भीतर की यात्रा करने से डरता है।' जब आपके अंदर किसी काम को लेकर जुनून होता है तो कभी–कभी वह जुनून ही जीवन के उद्देश्य में तब्दील होने लगता है। जीवन कभी एक सा नहीं चलता। इसलिए यह जरूरी भी नहीं कि बेहद प्रारंभिक अवस्था में ही आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल जाए। जीवन में अनेक पड़ाव आते हैं, जो अलग–अलग अनुभव देते हैं। इसलिए कभी एक बेहद तनाव वाले पड़ाव में लगे कि किसी तरीके का बदलाव आपके जीवन को सरल और खुशनुमा बना सकता है तो उसे आप अपना उद्देश्य बना लीजिए। लेकिन यह कोई ऐसा कार्य नहीं है, जिसके बारे में आप बैठकर अलग से मंथन करें। यह हमारा मन तय करता है कि उसे किस कार्य को करने से खुशी मिलती है। पर दिमाग के साथ दिल का तालमेल बिठाना न भूलें और जहां लगे कि दिल और दिमाग मिल गए हैं तो समझ जाएं कि आपको अपने जीवन का उद्देश्य मिल गया है।

जिंदगी का कोई लम्हा मामूली नहीं होता, हर पल वह हमारे लिए कुछ–न–कुछ नया पेश करता रहता है–जब हमारी ऐसी सोच बनती है तभी हम अपने आप से रूबरू होते। स्वयं से स्वयं के साक्षात्कार के बिना हमारी लक्ष्य की तलाश और तैयारी दोनों अधूरी रह जाती है। स्वयं की शक्ति और ईश्वर की भक्ति भी नाकाम सिद्ध होती है और यही कारण है कि जीने की हर दिशा में हम औरों के मुहताज बनते हैं, औरों का हाथ थामते हैं, उनके पदचिन्ह खोजते हैं। अक्सर आधे–अधूरे मन और निष्ठा से हम कोई भी कार्य करते हैं तो उसमें सफलता संदिग्ध हो जाती है। सफलता या ऊंचाइयों आप तभी पा सकते हैं, जब अपना काम करते हुए इस बात को नजरअंदाज कर दें कि इसकी वाहवाही किसे मिलेगी? हम तो मन्दिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, चर्च में जाकर भी अपने धनबल, बाहुबल या सत्ताबल के आधार पर लम्बी–लम्बी लाइनों के बजाय वीआईपी दर्शन करके लौट जाते हैं। क्या हमारा ईश्वर से मिलने का यह तरीका परिणामकारी हो सकता है? हम हमारी आस्था या भगवान के प्रति निष्ठा को सस्ता न बनने दें। हमें अपना हर सुख इस तरह भोगना चाहिए, जैसे हम सौ साल तक जीयेंगे, पर ईश्वर से रोजाना प्रार्थना एवं अपना काम ऐसे करना चाहिए, जैसे कल हमारी जिंदगी का आखिरी दिन हो। जब हम ईश्वर के प्रति और अपने उद्देश्यों–कार्यों के प्रति इतने पवित्र, जुझारू एवं परोपकारी बनकर प्रस्तुत होंगे तभी जीवन को सार्थकता तक पहुंचा सकेंगे। वैसे भी अमीर वह नहीं है, जिसके पास सबसे ज्यादा है, बल्कि वह है, जिसे और कुछ नहीं चाहिए। सच्चाई तो यही है कि जिसे और कुछ नहीं चाहिए वही सच्चे रूप में ईश्वर से साक्षात्कार की पात्रता अर्जित करता है।

आप या तो इस बात पर सिर धुन सकते हैं कि गुलाब में कांटे हैं या इस पर खुश हो सकते हैं कि कांटों से भी गुलाब खिलते हैं। जब भी हम ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करते हैं, किसी की मदद करते हैं अथवा कोई अच्छा कार्य करते हैं, अपने जीवन के कार्यों को अंजाम तक पहुंचाते हैं तो उससे अपने भीतर हम अपार संतोष महसूस करते हैं। तब वही भाव हमारे चेहरे और विचारों पर भी झलकने लगता है। इससे हमारे पूरे व्यक्तित्व में एक सकारात्मक परिवर्तन होता है। संतुष्टि और आनंद की अवस्था में व्यक्ति तनावमुक्त रहता है और इसलिए स्वस्थ रहता है। यह अवस्था मनुष्य के अच्छे स्वास्थ्य के साथ–साथ एक सफल एवं सार्थक जीवन की परिचायक है।

विशेष

सावन के महीने में यादों के झूले

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

पड़ गए झूले सावन रुत आई रे, सीने में हूक उठे अल्लाह दुहायी रे। ऐसे गाने सावन आते ही लोगों की जुबान पर खुद–ब–खुद आ जाते हैं। पहले सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। सावन व भादो का महीना हमे प्रकृति के और निकट ले जाता है। झूले झूलने के दौरान गाये जाने वाले गीत मन को सुकून देते हैं। झूले गांव के बागीचों, मंदिर के परिसरों में डाले जाते थे। सावन को बहुत पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि सावन में माता पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें पाया था। सावन दक्षिणायन में आता है जिसके देवता शिव हैं। इसीलिए इन दिनों उन्हीं की आराधना शुभ फलदायक होती है। सावन के महीने में बहुत वर्षा होती है। इसलिये इसे वर्षा ऋतु का महीना या पावस ऋतु भी कहा जाता है।

भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढ़ने के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। एक दौर था जब लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये परंपरा खत्म होती जा रही है। अब न तो झूले पड़ते हैं और न गीत सुनाई देतें है।

सावन शुरू हो गया है लेकिन इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख–दुख बांटने, साथ बैठकर मेंहदी लगाने की परंपरा फिर गीत गाना सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परम्परा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधनों का होना भी हैं। सावन के आते ही गली–कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बाग–बगीचे रहे और न ही मोर की आवाज सुनाई देती है। अब बिना झूला झूले ही सावन गुजर जाता है। वन माफियाओं के चलते गांवों में भी बाग–बगीचे नहीं बचे हैं। जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके।

गांवों की बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। त्योहार में बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा तो आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती हैं। दस साल पहले तक यहां रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता था। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन–बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहां डालें। सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा राजस्थान में तो आज भी चली आ रही है। अब समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमंजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झुलाने की परम्परा जरूर अभी भी निभाई जा रही है। अब वक्त ने ऐसी करवट ली है कि सावन तो आता है पर अपने रंग नहीं बिखेर पाता। जिस सावन के आते ही नववधु ससुराल से मायके पहुंच जाती थी। अब वैसा सावन नही होता है।

झूले की परम्परा लुप्त होने के साथ ही सावन भादों की खुशबू अब कहीं नहीं दिखती है। कुछ स्थानों को छोड़ कर लोग इसका आनंद नहीं ले पा रहे हैं। झूलों के नहीं होने से हमे लोक संगीत भी सुनने को नहीं मिलता है। आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति के संग झूला झूलने की बात अब कहीं नहीं दिखती है। आज से दो दशक पहले तक झूलों और मेंहदी के बिना सावन की परिकल्पना भी नही होती थी। पहले संयुक्त परिवार में बड़े–बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे। आज बढ़ती एकल परिवार की प्रवृति ने आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है।

चिंतन

आदिवासी उत्थान में लगी मोदी सरकार

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

एक साल से विपक्षी दल वपक्षी एकता के चक्कर में मीटिंगों और सीटिंगों व राजनीतिक टूरिज्म में लगे है यहाँ तक कि अपने राज्यों की कल्याणकारी योजनाओं को भी भूल गए है वही प्रधानमंत्री मोदी विकास कार्यों में ध्यान लगा कर 2024 की तैयारी में मग्न हैं । आज़ाद भारत में 1951 की जनगणना के बाद से आदिवासियों को अलग से गिनना बंद कर दिया गया। भारत की जनगणना 1951 के अनुसार आदिवासियों की संख्या 9,91,11,498 थी, जो 2001 की जनगणना के अनुसार 12,43,26,240 हो गई। यह देश की जनसंख्या का 8।2 प्रतिशत है। केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय के मुताबिक देश के 30 राज्यों में कुल 705 जनजातियां रहती हैं। वहीं झारखंड में 86 लाख से अधिक आदिवासी हैं।संस्कृत विचारकों ने अपने लेखों में आदिवासियों को अत्विका और वनवासी लिखा है। महात्मा गांधी ने आदिवासियों को गिरिजन (पहाड़ पर रहने वाले लोग) कह कर पुकारा है। भारतीय संविधान में आदिवासियों के लिए अनुसूचित जनजाति' पद का उपयोग किया गया है। भारत के प्रमुख आदिवासी समुदायों में भीलाला, धानका, गोंड, मुंडा, खड़िया, हो, बोडो, कोल, भील, कोली, फनात, सहरिया, संथाल, कुड़मी महतो, मीणा, उरांव, लोहरा, परधान, बिरहोर, पारधी, आंध, टाकणकार आदि शामिल हैं। आदिवासी मुख्य रूप से भारतीय राज्यों झारखंड, उड़ीसा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान में बहुसंख्यक हैं और गुजरात, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल में अल्पसंख्यक हैं, जबकि भारतीय पूर्वोत्तर राज्यों जैसे मिजोरम में बहुसंख्यक हैं। इन्हें भारत के संविधान की पांचवी अनुसूची में अनुसूचित जनजातियों' के रूप में मान्यता दी गई है।आदिवासियों की बड़ी संख्या होने के बावजूद उन्हें आज भी वो सम्मान नहीं मिला था जिसके वो हक़दार है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार इस समय आदिवासियों के उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। इसी साल 16 फरवरी को मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में आदि महोत्सव का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि पहले जो खुद को दूर–सुदूर समझता था अब सरकार उसके द्वार जा रही है, उसको मुख्यधारा में ला रही है। आदिवासी समाज का हित मेरे लिए व्यक्तिगत रिश्तों और भावनाओं का विषय है। 21वीं सदी का नया भारत सबका साथ सबका विकास' के दर्शन पर काम कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी जानते हैं कि आदिवासी समाज के विकास से ही सबका विकास सधेगा और इसी कारण केंद्र सरकार बीते कुछ वर्षो ने आदिवासी जनजातीय समाज के लिए मिशन मोड में काम कर रही है ताकि उनके जीवन के सभी आयामों को बेहतर किया जा सके।

सामाजिक गौरव के अतिरिक्त जीवन स्तर से जुड़े मुद्दों का अध्ययन करें तो पायेंगे कि जनजातीय लोगों का जीवन स्तर पहले से अच्छा हुआ है। शिक्षा के मोर्चे पर प्राइमरी से लेकर उच्च शिक्षा तक में आदिवासी बच्चों का इनरोलमेंट बढ़ा है। 2004 से 2014 के बीच केवल 90 एकलव्य स्कूल' खुले थे, जबकि 2014 से 2022 तक मोदी सरकार ने 500 से ज्यादा एकलव्य स्कूल' स्वीकृत किए जिनमें से 400 से ज्यादा स्कूलों में पढ़ाई शुरू भी हो चुकी है और एक लाख से ज्यादा जनजातीय छात्र इन स्कूलों में पढ़ाई भी करने लगे हैं। आदिवासी युवाओं के सामने शिक्षा के मैदान में सबसे बड़ी चुनौती भाषा की होती आई है लेकिन अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में मातृभाषा में पढ़ाई का विकल्प भी खोल दिया गया है। जिस कारण आदिवासी बच्चे, आदिवासी युवा अपनी भाषा में पढ़ सकेंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना में करीब 91।93 लाख आयुष्मान कार्ड के लाभार्थी जनजातीय वर्ग से ही हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 68 लाख जनजातीय लोग प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत आवास के लिए पंजीकृत हैं, जिनमें लगभग 63 लाख आवास मंजूर हो चुके हैं। इनमें से भी 47।17 लाख आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके अतिरिक्त स्वच्छता मिशन के तहत 2014–2015 से लेकर अभी तक जनजातीय वर्ग के 1।47 करोड़ घरों में शौचालय का निर्माण हुआ है। अगले तीन वर्षों में 3।5 लाख आदिवासी छात्रों वाले 740 एकलव्य माडल आवासीय विद्यालयों के लिए 38,800 शिक्षकों और सहायक कर्मचारियों की केंद्रीय रूप से भर्ती की जाएगी। इसके अतिरिक्त अब 5 छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत 2500 करोड़ रुपये से अधिक के वार्षिक बजट के साथ प्रत्येक वर्ष 30 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति दी जाती है।

इसके अतिरिक्त व्यापारिक उत्कर्ष का भी सुनहरा दौर दस्तक दे रहा है। देश के अलग–अलग राज्यों में तीन हजार से अधिक 'वन धन विकास केंद्र' स्थापित किए गए हैं। लगभग 90 लघु वन उत्पादों पर सरकार एमएसपी दे रही है। 80 लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप आज अलग–अलग राज्यों में काम कर रहे हैं जिसमें सवा करोड़ से ज्यादा सदस्य जनजातीय समाज से हैं और इनमें भी बड़ी संख्या महिलाओं की है। मोदी सरकार का जोर जनजातीय कला को प्रमोट करने, और युवाओं के कौशल को बढ़ाने पर भी है। देश में नए जनजातीय शोध संस्थान खोले जा रहे हैं। इन प्रयासों से जनजातीय युवाओं के लिए उनके अपने ही क्षेत्र में नए अवसर बन रहे हैं। इसी कारण आज भारत के जनजातीय समाज द्वारा बनाए जाने वाले उत्पादों की मांग ना केवल भारत में लगातार बढ़ रही है बल्कि ये विदेशों में भी निर्यात किए जा रहे हैं। ट्राइबल प्रोडक्टस ज्यादा से ज्यादा बाजार तक आयें, इनकी पहचान बढ़े, इनकी डिमांड बढ़े, केंद्र सरकार इस दिशा में भी लगातार काम कर रही है।

सरकार का जोर जनजातीय आर्ट्स को प्रमोट करने, जनजातीय युवाओं के स्किल को बढ़ाने पर भी है। इसी वजह से बजट में पारंपरिक कारीगरों के लिए पीएम–विश्वकर्मा योजना शुरू करने की घोषणा भी की गई है। पीएम–विश्वकर्मा के तहत आर्थिक सहायता दी जाएगी, स्किल ट्रेनिंग दी जाएगी, प्रॉडक्ट की मार्केटिंग के लिए सपोर्ट किया जाएगा। इसका बहुत बड़ा लाभ आदिवासी समुदाय के युवाओं को भी होने वाला है। देश में नए जनजातीय शोध संस्थान भी खोले जा रहे हैं। इन प्रयासों से ट्राइबल युवाओं के लिए अपने ही क्षेत्रों में नए अवसर बन रहे हैं। देश में राष्ट्रीय जनजाति अनुसंधान संस्थान खोला गया। इन प्रयासों से ट्राइबल युवाओं के लिए अपने ही क्षेत्रों में नए अवसर बन रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप जून 2022 में राष्ट्रीय जनजाति अनुसंधान संस्थान की शुरुआत की गई। देश में कई जनजाति अनुसंधान संस्थान हैं, लेकिन जनजातीय समाज की विविधताओं को जोड़ने के लिए कोई राष्ट्रीय लिंक नहीं था और प्रधानमंत्री मोदी के विजन के अनुरूप बनाया गया यह संस्थान इसी लिंक का काम करेगा।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

लंदन का ऐतिहासिक रॉयल अल्बर्ट हॉल एक बार फिर लता मंगेशकर के गीतों से गूंजा

लंदन/भाषा

लंदन के रॉयल अल्बर्ट हॉल में 'स्वर कोकिला' लता मंगेशकर के लाइव कंसर्ट के करीब 49 साल बाद इस ऐतिहासिक स्थल पर एक बार फिर उनके गीत गूंजे। 'लता मंगेशकर : बॉलीवुड लीजेंड' श्रद्धांजलि कार्यक्रम 'ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन' (बीबीसी) के मशहूर ऑर्केस्ट्रा संगीत कार्यक्रम 'प्रोम' के वार्षिक समारोह का हिस्सा है। लता के गानों के जरिये आमतौर पर पश्चिमी शास्त्रीय संगीत के लिए समर्पित इस कार्यक्रम का दायरा बढ़ाने का प्रयास किया गया है, ताकि भारतीय समुदाय भी इसकी ओर आकर्षित हो। 'प्रोम 18' में शुक्रवार रात लता के उन गीतों की गूंज भी सुनाई दी, जो उन्होंने मार्च 1974 में रॉयल अल्बर्ट हॉल में गाए थे। इनमें 'ऐ मेरे वतन के लोगो...' और 'आएगा आने वाला आएगा...' शामिल हैं।

कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाली गायिका पलक मुच्छल ने कहा, ''भारतीय संगीत की एक ऐसी दिग्गज गायिका, जिन्हें दुनियाभर में सराहा जाता है, उन्हें श्रद्धांजलि देना मेरे लिए बहुत खास पल है।'' पार्श्व गायिका और समाजसेवी मुच्छल ने 1978 में प्रदर्शित फिल्म 'सत्यम शिवम सुंदरम' के शीर्षक गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने बॉलीवुड की लोकप्रिय फिल्मों, मसलन 'मुगल-ए-आजम', 'कभी-कभी' और 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' से लेकर 'कभी खुशी कभी गम' तक के गाने गाए। बीबीसी प्रोम ने एक बयान में कहा, ''एक शाम सात दशक के शानदार करियर की सिर्फ एक झलक दिखा सकती है। एक ऐसा करियर, जिसमें उन्होंने अनगिनत फिल्मों में करीब 50,000 गीत गाए। लता की न केवल आवाज मधुर थी, बल्कि उन्होंने 36 अलग-अलग भाषाओं में भावनाओं की अभिव्यक्ति करने में इसका इस्तेमाल किया, जिसने उन्हें 'भारत की स्वर कोकिला' का तमगा दिलाया।''

वार्षिक प्रोम में यह एक दशक से भी अधिक समय बाद पहला मौका था, जब दर्शक बॉलीवुड की धुनों पर थिरके। लता का पिछले साल फरवरी में 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया था। उनका मुंबई में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था।

घोषणा

विजयवाड़ा में रविवार को अभिनेत्री जेनी हनी, श्रीलेखा, मॉडल, फैशन प्रेमी हाई लाइफ एग्जिबिशन द्वारा आयोजित हाई लाइफ ब्राइड्स के भव्य फैशन शोकेस तिथि घोषणा कार्यक्रम में रैंप पर चले।

चीन ने अमेरिका पर ताइवान को 'हथियार के डिपो' में तब्दील करने का आरोप लगाया

ताइपे/एपी

चीन ने अमेरिका पर ताइवान को 'हथियार डिपो' में तब्दील करने का आरोप लगाया है। उसने यह आरोप तब लगाया है, जब व्हाइट हाउस ने ताइपे के लिए 34.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सैन्य सहायता की घोषणा की है और ताइवान ने रविवार को कहा कि उसने अपनी समुद्री तट पर चीन के छह नौसैनिक जहाजों का पीछा किया। एक बयान जारी कर ताइवान को सैन्य सहायता दिए जाने का विरोध किया। चीन ताइवान पर अपना दावा जताता है। ताइवान मामलों के कार्यालय के प्रवक्ता चेन बिनहुआ ने कहा, ''इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि ताइवान की अलगाववादी ताकतें आम करदाताओं का कितना पैसा खर्च करती हैं, अमेरिका कितने हथियार देता है।

मॉस्को में हुए ड्रोन हमले में एक व्यक्ति घायल; हवाई अड्डा अस्थायी रूप से बंद

मॉस्को/एपी

यूक्रेन ने रविवार तड़के मॉस्को पर तीन ड्रोनों से हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति घायल हो गया और शहर के चार हवाई अड्डों में से एक को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। रूसी अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने इस घटना को कीव शासन द्वारा आतंकवादी हमले का प्रयास बताया और कहा कि तीनों ड्रोनों ने शहर को निशाना बनाया। मंत्रालय ने बताया कि एक ड्रोन को मॉस्को क्षेत्र में वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा मार गिराया गया और दो अन्य को जाम कर दिया गया, जो राजधानी के मॉस्को सिटी व्यापारिक जिले में क्रैश हो गए। घटनास्थल की उपलब्ध तस्वीरों में देखा जा सकता है कि एक बहुमंजिला इमारत की एक मंजिल को नुकसान पहुंचा है। मॉस्को के महापौर सर्गेई सोबयानिन ने कहा कि हमले में मॉस्को सिटी जिले की दो इमारतों के बाहरी हिस्से को मामूली क्षति पहुंची है।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने आपातकालीन अधिकारियों के हवाले से बताया कि ड्रोन हमले में एक सुरक्षा गार्ड घायल हो गया। समाचार एजेंसी के मुताबिक, लगभग एक घंटे तक शहर के दक्षिणी बाहरी इलाके में वनुकोवो हवाई अड्डे के अंदर या बाहर कोई भी उड़ान नहीं गई और मॉस्को और बाहरी क्षेत्रों का हवाई क्षेत्र को किसी भी विमान के लिए अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया।

पुलिस ने पिल्लों को उनकी मां से मिलाया

नंदीगाम(आंध्र प्रदेश)/भाषा

आंध्र प्रदेश से एक दिल छू लेने वाली घटना सामने आई है, जहां पुलिस ने एनटीआर जिले के इथावरम गांव में बेजुबान मादा कुत्ते की परेशानी को समझते हुए बाढ़ के बीच बंद पड़े घर में फंसे उसके पिल्लों को बचाया। यह घटना नंदीगाम मंडल में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 65 (एनएच 65) के पास हुई। यह राजमार्ग हैदराबाद और विजयवाड़ा को जोड़ता है और तेलंगाना सीमा के पास स्थित है। नंदीगाम के सहायक पुलिस आयुक्त जनार्दन नायड़ु ने रविवार को कहा, 'हम शुक्रवार को बाढ़ की स्थिति के बीच राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही को संभाल रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के एक किशोर को चाकू मारकर घायल कर की लूटा

मेलबर्न/भाषा

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में भारतीय मूल के 16 वर्षीय किशोर और उसके दो दोस्तों पर बिना किसी उकसावे के घात लगाकर चाकू से हमला किया गया। लूटपाट के इरादे से किये गए इस हमले में किशोर और उसका एक दोस्त घायल हो गया। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। हमला तब किया गया जब किशोर अपने जन्मदिन के मौके पर दो दोस्तों के साथ बास्केटबॉल खेल रहा था। टीवी चैनल '7न्यूज' की रिपोर्ट के अनुसार, घटना बृहस्पतिवार को टार्निट शहर में घटी। रिपोर्ट के मुताबिक, रेयान सिंह नामक भारतीय मूल के किशोर और उसके दो दोस्तों पर एक गिरोह ने घात लगाकर चाकू से हमला किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग सात-आठ लोगों के एक समूह ने तीनों पर हमला किया और बच्चों से मोबाइल फोन और जन्मदिन पर मिले उपहार छोड़कर जाने को कहा। रेयान 10वीं कक्षा का छात्र है। अपने जन्मदिन के मौके पर वह अपने दो दोस्तों के साथ पारिवारिक रात्रिभोज में शामिल होने से पहले टार्निट में बास्केटबॉल खेल रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक किशोर की पसलियों, दोनों बांह, हाथ और पीठ पर चाकू से हमला किया गया और सिर के पिछले हिस्से पर भी वार किया गया। विक्टोरिया पुलिस के अनुसार रेयान के एक दोस्त को भी चाकू मारा गया है। ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, ''उन लोगों के बीच कुछ विवाद हुआ और वहां से भागने से पहले अपराधियों ने उनपर चाकू से हमला कर दिया।'' चैनल 7न्यूज ने रेयान की मां सुषमा मनंधर के हवाले से कहा, ''(यह) ठीक नहीं है... हम उसका जन्मदिन मनाने की योजना बना रहे थे।'' रियान को अस्पताल ले जाया गया जहां उसके बाएं हाथ के उंगलियों की सर्जरी की गई। वहीं, उसके दोनों दोस्तों का भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। 7न्यूज चैनल के अनुसार, गिरोह ने पहले उसी दोपहर कैरोलीन स्प्रिंग्स के एक अवकाश केंद्र में अन्य पीड़ितों पर भी घात लगाकर हमला किया था।

'लियो' से लोकेश कनगराज ने जारी किया संजय दत्त लुक

मुंबई/एजेन्सी

संजय दत्त ने 29 जुलाई को अपना 64वां जन्मदिन मनाया। इस विशेष दिन पर, निर्देशक लोकेश कनगराज ने आगामी फिल्म 'लियो' से एंटनी दास के रूप में अभिनेता के लुक का अनावरण किया। दत्त खलनायक की भूमिका निभाएंगे जबकि थलपति विजय मुख्य किरदार निभाएंगे। संजय दत्त का यह 64वां जन्मदिन था। अभिनेता के साथ-साथ उनके प्रशंसक भी जश्न मनाने की मुद्रा में हैं। निर्देशक लोकेश कनगराज ने ट्विटर का सहारा लिया और अपनी आगामी फिल्म 'लियो' से अभिनेता की एक छोटी सी झलक पेश की। फिल्म में संजय दत्त प्रतिपक्षी एंटनी दास की भूमिका निभा रहे हैं और उनका मुकाबला किसी और से नहीं बल्कि थलपति विजय से होगा।

वीडियो में संजय दत्त उतने ही खतरनाक लग रहे हैं, जितने हमेशा एक प्रतिद्वंद्वी के रूप में नजर आते थे। ये उसकी आंखें ही हैं जो बातें करती हैं और कोई गलती न करें, वह स्टाइलिश और सौम्य है और थलापति के लियो के खिलाफ एकदम सही मैच लगता है! वीडियो शेयर करते हुए कंगाराज ने लिखा, ''-पीॅपूउत्री से मिलें, हम सभी की ओर से आपके लिए एक छोटा सा उपहार सर! आपके साथ काम करना वास्तव में खुशी की बात थी! इससे पहले कल, 'डबल आईस्मार्ट' से अभिनेता का लुक भी जारी किया गया था। यह फिल्म सुपरहिट 'आईस्मार्ट शंकर' की अगली कड़ी है, जिसमें राम पोथिनेनी, प्रसिद्ध निर्देशक पुरी जगन्नाथ और चार्मी कौर द्वारा निर्मित है। दत्त के किरदार को बिग बुल के नाम से जाना जाएगा।

'लियो' लोकेश कनगराज द्वारा लिखित और निर्देशित एक एक्शन थ्रिलर है। फिल्म में थलपति विजय, संजय दत्त और तृषा मुख्य भूमिका में हैं। यह 19 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। गौतम वासुदेव मेनन, अर्जुन, मिसस्किन, मंसूर अली खान और प्रिया आनंद सहायक कलाकारों का हिस्सा हैं। यह अभी तक पुष्टि नहीं हुई है कि फिल्म लोकेश कनगराज के सिनेमाई ब्रह्मांड, लोकिवर्स का हिस्सा होगी या नहीं।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा शो के 15 साल हुए पूरे, दिशा वकानी की होगी वापसी

मुंबई/एजेन्सी

सब टीवी पर प्रसारित होने वाले 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो ने इस शुक्रवार सफलतापूर्वक 15 साल पूरे कर लिए हैं। शो से जुड़े सभी कलाकारों ने बेहिसाब प्यार देने के लिए फैंस का शुक्रिया अदा किया है। शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने ऐलान किया कि वे जल्द ही अहम किरदार 'दया भाभी' को

वापस लाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि 15 साल के इस सफर के पूरा होने पर सभी को बधाई। एक कलाकार जिसे हम कभी भूल नहीं सके वो हैं दिशा वकानी यानी दया भाभी। उन्होंने न सिर्फ फैंस बल्कि हमें भी इतने सालों में बहुत हंसाया।

फैंस को उनकी वापसी का इंतजार है और मैं आपसे वादा करता हूं कि दिशा वकानी 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में जल्द वापस आ रही हैं। पिछले दिनों शो छोड़ने के बाद पहली बार दिशा का वीडियो सामने आया था, जिसमें वे अपने व्लॉग में फैंस से मिलती नजर आ रही थीं। दिशा मेकअप बगैर बहुत सरल अंदाज में नजर आईं। फिलहाल दिशा बच्चों के साथ पूरा वक्त बिता रही हैं। पहली प्रेग्नेंसी के बाद से वे शो में वापसी नहीं कर सकी हैं।

कई बार ऐसे मौके आए जब कहा गया कि उनकी वापसी हो सकती है, लेकिन उनकी वापसी हो नहीं सकी, लेकिन इस बार मेकर्स के ऐलान के बाद लगता है कि उनका आना पूरी तरह से तय है। हालांकि इस बार दिशा की वापसी की खबरें जोरो पर इसलिए भी हैं क्योंकि हाल फिलहाल में मेकर्स ने कई बार इस तरह के हिंट दिए हैं और यह सब कुछ बैक टू बैक हुआ है। पिछले दिनों सीरियल में एक सीक्वेंस दिखाया गया जिसमें सुंदर भाई ने पूरी गोकुलधाम सोसायटी के सामने यह बात कही कि दयाबेन जल्द ही वापस आ जाएंगी।

सुंदरलाल ने कहा, मां खुद माय डियर जीजाजी को फोन करके यह गुड न्यूज देने वाली थी। लेकिन अब मैं खुद आप सबको यह बताऊंगा कि माय डियर बहना कब आने वाली है।

मैं आप सभी से यह वादा करता हूं कि मैं बहना को इस दिवाली से पहले गोकुलधाम सोसायटी में आप सबके पास ले आऊंगा। शो में दिखाए गए इस सीक्वेंस ने दया की वापसी को कंफर्क कर दिया था। अब मेकर्स ने भी यही बात इस सेलिब्रेशन के मौके पर कही है।

बेटी की फिल्म 'ड्रीम गर्ल-2' का प्रमोशन करते नजर आए चंकी पांडे

मुंबई/एजेन्सी

आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे स्टारर फिल्म ड्रीम गर्ल 2 जल्द ही रिलीज होने वाली है। इसी बीच अनन्या पांडे के पिता और एक्टर चंकी पांडे ने मजेदार अंदाज में फिल्म का प्रमोशन किया है। एक्टर ने इसी के साथ खुलासा किया है की फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज होगा। चंकी ने ये वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है, जिसमें चंकी के साथ उनकी बेटी अनन्या पांडे भी नजर आ रही हैं। इस वीडियो में चंकी पूजा यानी आयुष्मान खुराना से चोरी छिपे फ्लर्ट करते हुए नजर आए। बीते दिन फिल्म का टीजर रिलीज हुआ था जिसमें रॉकी और रानी की प्रेम कहानी के रॉकी यानी रणवीर सिंह ड्रीम गर्ल 2 की पूजा से बात करते हुए दिखाई दिए थे।

टीजर में उनका चेहरा नहीं दिख रहा था। आयुष्मान खुराना के क्रॉस-ड्रेस्ड किरदार पूजा को शाहरुख खान की फिल्म से फोन पर बात करते हुए भी देखा गया था। वीडियो के साथ ही चंकी ने फिल्म के ट्रेलर लॉन्च की जानकारी भी दी है। राज शांडिल्य के निर्देशन में बनी 'ड्रीम गर्ल 2' फिल्म का ट्रेलर 1 अगस्त, 2023 को रिलीज होगा। पिछले कुछ समय से फिल्म के 3 से 4 प्रोमो वीडियोज सामने आ चुके हैं, जिन्हें देखकर मूवी को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। बता दें, आयुष्मान खुराना और अनन्या पांडे की ये फिल्म 25 अगस्त, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। ड्रीम गर्ल 2019 में आई फिल्म ड्रीम गर्ल का सीक्वल है। फिल्म में आयुष्मान खुराना, अनन्या पांडे, अन्नू कपूर, परेश रावल, असरानी, मनजोत सिंह और विजय राज भी दिखेंगे।

'बवाल' फिल्म में यहूदियों के नरसंहार मामूली बताए जाने से आहत हैं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इजराइल के राजदूत नेऑर गिलोन ने अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई फिल्म बवाल में यहूदियों के नरसंहार (हॉलोकास्ट) को मामूली बताने पर चिंता जाहिर की है। वरुण धवन अभिनीत इस फिल्म में वैवाहिक कलह की एक कहानी बताने के लिए यहूदियों के नरसंहार का जिक्र किया गया है, जिसको लेकर विवाद छिड़ गया है। इस सप्ताह की शुरुआत में एक प्रमुख यहूदी समूह ने फिल्म की आलोचना करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म से इसे हटाने की अपील की। भारत में इजराइल के दूतावास ने शुक्रवार को एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि फिल्म में यहूदियों के नरसंहार को मामूली बताने से वह आहत हुआ है।

बवाल का निर्देशन दंगल फिल्म के निर्देशक नितेश तिवारी ने किया है। गिलोन ने टवीटर पर लिखा, मैंने फिल्म बवाल नहीं देखी है, लेकिन मैंने जो पढ़ा है, उसके आधार पर मुझे लगता है कि फिल्म में खराब शब्दों और

प्रतीकों का इस्तेमाल किया गया है। यहूदियों के नरसंहार को मामूली बताए जाने से सबको आहत होना चाहिए। उन्होंने लिखा, जो लोग यहूदियों के नरसंहार की भयावहता के बारे में नहीं जानते, मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे इस बारे में जानें।फिल्म में वरुण धवन हाई स्कूल में इतिहास के शिक्षक अजय दीक्षित की भूमिका में हैं तथा जान्हवी कपूर उनकी पत्नी निशा का किरदार निभा रही हैं। वे यूरोप की यात्रा पर जाते हैं जहां वे द्वितीय विश्व युद्ध से जुड़े अहम स्थलों का दौरा करते हैं जिनमें ऑशविट्ज और एम्स्टर्डम में ऐनी फ्रैंक का घर शामिल है। फिल्म 21 जुलाई को रिलीज हुई थी। होलोकॉस्ट के पीड़ितों की स्मृति को समर्पित साइमन विसेन्थल सेंटर (एसडब्ल्यूसी) ने मंगलवार को एक बयान जारी कर फिल्म की आलाचोना की। संगठन ने कहा कि फिल्म में कुछ दृश्य दिखाए गए हैं, जिनमें ऑशवित्ज में अभिनेता और अभिनेत्री एक गैस चैंबर में घुसते हैं और घुटन महसूस करते हुए दिखते हैं। उल्लेखनीय है कि ऑशवित्ज द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान नाजी जर्मनी का एक कैदखाना था, जहां करीब 10 लाख यहूदियों को मार डाला गया था। एसडब्ल्यूडी के एसोसिएट डीन और ग्लोबल सोशल एक्शन के डायरेक्टर रब्बी अब्राहम कूपर ने कहा था, फिल्म में हिटलर को लालची कहा गया है, जिसमें मुख्य नायक अपनी पत्नी से कह रहा है: 'हम सब कुछ हद तक हिटलर की तरह हैं, है ना?

बेहतरीन संवादों की पेशकश है 'ताली'

मुंबई/एजेन्सी

क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'आर्या' से लोगों का दिल जीतने के बाद, सुष्मिता सेन एक बार फिर ओटीटी पर छाने के लिए तैयार हैं। अपनी अगली वेब सीरीज 'ताली' में वह एक ट्रांसजेंडर की भूमिका में नजर आने वाली हैं। इस सीरीज के फर्स्ट लुक के साथ ही यह चर्चा में आ गई थी। वहीं अब इसका दमदार टीजर भी रिलीज हो चुका है। टीजर में सुष्मिता अपने स्वाभिमान, सम्मान और स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ती नजर आ रही हैं।

टीजर की शुरुआत सुष्मिता सेन के लाल बिंदी लगाने से होती है जो उनकी ताकत को दर्शाता है। इस टीजर के वॉइस ओवर में सुष्मिता कहती हैं, मैं गौरी, जिसे कोई हिजड़ा बुलाता है, तो कोई सोशल वर्कर, कोई नौटंकी तो कोई गेम चेंजर। ये कहानी इसी सफर की है, गाली से ताली तक। फिर फ्रेम उसके संघर्ष और सिस्टम के खिलाफ लड़ाई पर केंद्रित हो जाता है, जो तीसरे लिंग को पहचानने के लिए तैयार नहीं है। फिल्म में सुष्मिता का किरदार उग्र लग रहा है और वह श्रीगौरी सावंत के रूप में ऐसी रच बस गई हैं कि उनकी असली पहचान कहीं नजर नहीं आ रही।

यह वेब सीरीज कोई फिक्शन नहीं बल्कि रियल लाइफ पर आधारित है। वह ट्रांसजेंडर एक्टिविस्ट श्रीगौरी सावंत का किरदार निभा रही हैं। इस सीरीज का प्रीमियर 15 अगस्त से गळेउळपशार पर मुफ्त में होगा। रवि जाधव द्वारा निर्देशित, वेब श्रृंखला क्षितिज पटवर्धन द्वारा लिखी गई है और अर्जुन सिंह बारन, कार्तिक डी निशानदार और अफीफा सुलेमान नाडियाडवाला द्वारा समर्थित है। फिल्म का टीज़र शेयर करते हुए सुष्मिता सेन ने इंस्टाग्राम पर लिखा, गाली से ताली तक के सफर की ये कहानी। पेश है भारत के तीसरे लिंग के लिए श्रीगौरी सावंत की लड़ाई की कहानी। आपको बता दें कि बीते साल से सुष्मिता अपने इस प्रोजेक्ट में बिजी थीं। गौरी सावंत ट्रांसजेंडर लोगों के गोद लेने के अधिकार के लिए भारत के सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर करने वाली पहली ट्रांसजेंडर थीं। पुणे में गणेश के रूप में जन्मी, वह महाराष्ट्र में चुनाव आयोग की सद्भावना राजदूत बनीं और राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) मामले में याचिकाकर्ता थीं। 2008 में, उनकी मां के एड्स से पीड़ित होने के बाद उन्होंने गायत्री नाम की एक लड़की को गोद लिया। गौरी ने विक्स के एक विज्ञापन में काम किया जिसमें उनकी कहानी और गोद लेने की यात्रा को दर्शाया गया था।

8

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | सोमवार | 31-07-2023 /dakshinbharat /dakshinbharat

DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

स्थानीय विश्व जागृति मिशन की बेंगलूरु शाखा द्वारा सुधांशु महाराज की निश्रा में चल रहे अमृत ज्ञान वर्षा के आखिर दिन रविवार को जयनगर स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में पूर्व एसीपी मुनिरत्ना, जगदीश गिल्ड़ा एवं निरंजन सारडा शामिल हुए। व्यास पूजन श्यामसुन्दर सुल्तानिया द्वारा सम्पन्न हुआ।

भागवत धर्म से तन, मन और धन की शुद्धि होती है : कथावाचक वेदानंद

पैलेस ग्राउंड पर श्रीमद्भागवत कथा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस ग्रीन सभागार में रविवार को पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर श्रीमदभागवत कथा के दशवें स्कन्ध का वाचन करते हुए आचार्यश्री वेदानंदजी शास्त्री 'आनंद' ने कहा कि भागवत धर्म में तीन प्रकार की शुद्धि होती है, तन, मन और धन की शुद्धि। कालिका नाग को वश में करके श्रीकृष्ण ने यमुनाजी के जल को शुद्ध किया। कंस को मारकर राजतंत्र स्थापित किया। नवधा भक्ति अर्थात भागवत कथा की भक्ति है। नवधा भक्ति में सुनकर व भक्ति करने से भक्ति होती है। कथा वाचक ने कहा कि भगवान सूर्य को अर्घ्य देने से तन, मन और धन की वृद्धि होती है। कथा वाचक ने नरकासुर की कथा सुनाई। अपने परिवार को कृष्णमय बनाना चाहिए । परिवार का महत्व कृष्ण के प्रेम से बताया गया। कथा वाचक ने कहा कि भागवत हमेशा दुखियों के दुख को दूर करने वाली होती है। जो भी भागवत कथा का स्मरण व श्रवण करता है उसके जन्म जन्म के कष्ट दूर हो जाते है। भगवान श्री कृष्ण ने हमें जीवन जीने की शिक्षा दी है और उनके जीवन से हमें कर्म की शिक्षा मिलती है। कर्म हमारे हाथ में है और कर्म का फल भगवान के हाथ में है इसलिए हमें अपना हाथ भगवान के हाथ में थमा देना चाहिए तभी हमारा कल्याण हो सकता है। कथा से पहले कथावाचक श्री वेदानंदजी शास्त्री ने भागवत पोथी की पूजा की तथा उसके बाद आयोजक में निशु कमल, आशुतोष कुमार, सुनील यादव आदि महानुभावों ने व्यासपीठ की पूजा की। कथा श्रवण में बड़ी संख्या में पुरुष व महिला श्रद्धालु शामिल हुए। कथा वाचक के साथ आए विभिन्न संगीतकारों व अन्य विद्वानों का सम्मान किया गया।

मन को प्रसन्न रखना श्रेष्ठ तप है : सुधांशु महाराज

सैकड़ों लोगों ने ली गुरुदेव से गुरु मंत्र दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय विश्व जागृति मिशन की बेंगलूरु शाखा द्वारा सुधांशु महाराज की निश्रा में चल रहे अमृत ज्ञान वर्षा के आखिर दिन रविवार को जयनगर स्थित पूर्णिमा कन्वेंशन सेन्टर में पूर्व एसीपी मुनिरत्ना, जगदीश गिल्ड़ा एवं निरंजन सारडा शामिल हुए। व्यास पूजन श्यामसुन्दर सुल्तानिया द्वारा सम्पन्न हुआ। इस मौके पर गुरुदेव श्री सुधांशु जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गीता में कहे गए अमृत ज्ञान की सन्देश देते हुए कहा कि हर समय प्रसन्न रहने का स्वभाव बनाएं। हमारा मन जहां भी लगता है उसे कई गुणा बढ़ा देता है। किसी की बुराई पर मन टिक जाता है तो हजार गुणा बुराई उसमें नजर आएगी। उसकी अच्छाई में भी दोष नजर आएगा लेकिन अगर हमारा मन किसी के अच्छाई पर टिके उस व्यक्ति हर व्यवहार एवं हर रूप अच्छा लगता है। उसके दोष भी गुण जैसे लगते हैं अगर हम जीवन में खुशी चाहते हैं तो अपने मन को प्रसन्नता में एवं आनन्द में टिकाने का अभ्यास करें। सत्संग समापन समारोह को सम्बोधित करते हुए सदगुरुदेव ने कहा कि अपना मन आनन्दस्रोत परमात्मा के चरणों में केन्द्रित करें। जहां हमारा मन टिकता है, वहीं हमारी बुद्धि भी केन्द्रित होती है। अपना मन श्रेष्ठ लक्ष्य में केन्द्रित करें। केन्द्रित मन वाले लोगों ने छोटी सी जिन्दगी में कई उल्लेखनीय कार्य किए है। न्यूटन, जेम्स वाट एवं एडिशन आदि वैज्ञानिकों ने सम्पूर्ण विश्व को अपने अविष्कार से चकित कर दिया। सांसारिक सफलता के साथ साथ आध्यात्मिक उन्नति के लिए अपना मन परमात्मा के चरणों में केन्द्रित करें।

भगवान श्रीकृष्ण ने भी गीता में कहा है कि तुम अपना मन एवं अपनी बुद्धि मुझमें केन्द्रित करो तुम्हारा जीवन दिव्य हो जाएगा इसमें कोई संशय नहीं है। रविवार का सुबह सत्संग के उपरान्त सैकड़ों लोगों ने सुधांशुजी महाराज से गुरु मंत्र दीक्षा संस्कार ग्रहण किए। नव दीक्षित गुरु भक्तों ने गुरुदेव को अपने मार्गदर्शक के रूप में स्वीकार किया। निरंजन सारड़ा ने भजन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का समापन गुरु आरती के साथ सम्पन्न हुआ।

फैशन को खुद के मुताबिक बदलने वाला ही फैशनेबल : रेखा जैन

'जीतो' महिलाओं द्वारा देशी मेकओवर कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहरके जीतो बेंगलूरु नार्थ की महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय योजना सीएफई के अंतर्गत देशी मेकओवर कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें फैशन डिजाइनर रेखा जैन ने उपस्थित महिलाओं को फैशन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि आज हर कोई स्टायलिश और फ़ैशनेबल दिखने की चाह रखता है क्योंकि स्मार्ट व और स्टाइलिश लुक वाला या वाली आकर्षण का केंद्र बनते है। कपड़ों का फ़ैशन एक परिवर्तनशील पहलू है जो समय-समय पर बदलता रहता है परंतु फ़ैशन के मुताबिक खुद को न बदलकर खुद के मुताबिक फ़ैशन को बदले वो ही वास्तविक फ़ैशनेबल होते है। आज स्टाइलिश और फेशनेबल दिखने की चाह सभी रखते है और स्टाईल को लेकर नये-नये प्रयोग भी करते है क्योंकि जिस दिन कुछ अलग हटकर या नये फेशन के वस्त्र धारण करते है उस दिन स्वयं में आत्मविश्वास का लेवल अलग ही रहता है। फैशन हर दिन बदलता है इसके लिए वार्डरोब बदलने की जरूरत नहीं है बल्कि थोड़ी स्मार्टनेस दिखाकर अपने कपड़ों को मिक्स मैच करना होता है। उन्होंने पुराने कपड़ों के बने कई नई डिज़ाइनों के कपड़ों को साझा करते हुए कहा कि महंगे कपड़े पहनने को फैशन नहीं बल्कि सस्ते कपड़े भी ढंग से कैरी कर ले, वही असली फैशन है।

जीतो नॉर्थ की महिला विंग अध्यक्ष बिंदु रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। जीतो नॉर्थ के उपाध्यक्ष सिद्धार्थ बोहरा के अनुसार कार्यशाला में प्रतिभागियों द्वारा भारत के प्रत्येक राज्य को दर्शाती वेशभूषा की प्रस्तुति दी गई। मुख्य अतिथि एवं निर्णायक किरण लुनिया एवं नीलम ललवानी ने नंदा बाफ़ना, प्रिया जैन, संगीता मुथा को इनोवेटिव ड्रेस हेतु एवं माधुरी कटारिया को पंजाबी पोशाक हेतु चुना। प्रशिक्षक का परिचय एवं व्यवस्था कार्य संयोजिका मीना बडेरा एवं सह-संयोजिका पवन रांका, अल्का लोढ़ा ने सम्भाली। इस मौके पर अनेक सदस्याएं उपस्थित थीं और सहयोग दिया। महामंत्री सुमन वेदमुथा ने संचालन व धन्यवाद दिया।

सिद्धितप पूर्णाहुति के चढ़ावों में दिखा विशेष उत्साह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में महावीर भवन में विराजित आचार्यश्री तीर्थभद्रसूरीश्वरजी की निश्रा में सिद्धि तप महातप की पूर्णाहुति निमित्त होने वाले धार्मिक महोत्सव के चढ़ावे कार्यक्रम संपन्न हुए। कार्यक्रम के प्रारंभिक विधान में लाभार्थी सुरेशकुमार, हीराचंद परिवार ने चढ़ावे की जाजम बिछाई। संतों की पावन उपस्थिति और मंत्रोचार पूर्वक जाजम बिछाने की विधि सम्पन्न हुई।

इस मौके पर आचार्यश्री ने तप, दान व धर्म की महिमा का वर्णन किया। इस अवसर पर सुमतिनाथ संघ के अनेक पदाधिकारी, ट्रस्टी व सदस्य उपस्थित थे ।

सैनिकों व शहीदों के सम्मान में निकाली बाइक रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल कर्नाटक पूर्व सैनिक संघ विजयनगर द्वारा रविवार को एक विशाल बाइक रैली का आयोजन किया गया। शहर के मानेक शाह परेड ग्राउंड से शुरु होकर विजयनगर के श्री बालगंगाधरनाथ स्वामीजी खेल मैदान तक जाने वाली इस रैली का उद्देश्य जनता को देश के सैनिकों के कर्तव्य शौर्य एवं सैनिकों के बलिदान की याद दिलाना था। इस मौके पर विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेंद्र मुणोत विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे और उन्होंने देश के सैनिकों के महत्व और उनकी बहादुरी को याद किया। मुणोत ने कहा कि सैनिक राष्ट्र का स्वाभिमान है और हमें उन पर गर्व है। कार्यक्रम में संघ के सदस्यों द्वारा महेंद्र मुणोत का सम्मान किया गया। सैनिक संघ के अध्यक्ष केएन शिवन्ना ने रैली की व्यवस्था संभाली।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रक्तदान शिविर

मैसूरु के जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन की लेडीज विंग द्वारा 'गिव लाइफ –गिव ब्लड' नामक रक्तदान शिविर का आयोजन लायंस ब्लड सेंटर जीवनधारा के सहयोग से किया गया जिसमें 100 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। जीतो मैसूरु चेयरमैन कांतिलाल चौहान, उपाध्यक्ष राजेश सालेचा, मुख्य सचिव गौतम सालेचा, लेडिज विंग चेयरपर्सन भावना सालेचा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुनीता पोरवाड़,सचिव सपना गांधी ने रक्तदान दाताओं को प्रमाणप्रत्र भेंट किए।

सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु सिटी लॉयन्स क्लब आनंद के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने चामराजपेट में स्थित बास्को मने एजुकेशनल ट्रस्ट के विद्यार्थियों को 100 सेट यूनिफॉर्म का वितरण किया। मुर्गेशकुमार के सौजन्य से आयोजित इस कार्यक्रम में अध्यक्ष कविता पोरवाल ने सभी का स्वागत किया। राजू चंद्रशेखर ने प्रोजेक्ट की जानकारी दी। इस मौके पर उपाध्यक्ष आशा सिंघवी ने धन्यवाद दिया। इस मौके पर राममूर्ति, मंत्री अंजना जैन, कोषाध्यक्ष आशीष बाफना, हेमराज, सुरेश धोका सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

जैन जीवन शैली विषय पर हुआ लघु नाटिका का मंचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मागड़ी रोड स्थित सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में साध्वी प्रियश्रेयांजनाश्रीजी की निश्रा में जैन जीवन शैली का कार्यक्रम हुआ। गुरुवर्याश्रीजी सुन्दर धर्ममय जीवन जीने के लिए मार्गदर्शन दिया एवं छोटे छोटे बच्चों ने जीव दया के पालन के लिए उपयोगी पूंजनी,जमीन कन्द त्याग, रात्रिभोजन त्याग, पदार्थ और सब्जी, जीवों की रक्षा आदि विषयों पर लघु नाटिका का मंचन किया गया। सुमतिजिन भक्ति मंडल ने गीतों के साथ सहयोग दिया।

उपस्थित जनों ने सुन्दर जीवन शैली जीने का नियम लिया। दोपहर में आचार्य पद का एकासना करवाया गया एवं बच्चों की शिविर आयोजित हुआ।

राजाजीनगर में तेयुप रक्तदान शिविर में 36 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा लायंस क्लब के सहयोग से नागप्पा ब्लॉक स्थित मणिभद्रा एनक्लेव में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुनिश्री राजपद्मसागरजी ने युवाओं को आशीर्वाद दिया। मुनिश्रीजी की निश्रा में शिविर प्रायोजक संघवी वर्दीचंदजी प्रकाशचंद आच्छा परिवार का सम्मान किया गया। रक्तदान शिविर में मल्लेश्वरम क्षेत्र के विधयक डॉ. अश्वतनारायण भी शामिल हुए तथा रक्तदान करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया। इस रक्तदान शिविर में कुल 36 यूनिट रक्त का संग्रह हुआ। इस अवसर पर तेयुप परामर्शक चंद्रेश मांडोत, प्रबुद्ध विचारक मनोज मेहता, सतीश पोरवाड़, अध्यक्ष कमलेश गन्ना, निवर्तमान अध्यक्ष अरविंद गन्ना सहित प्रबंध मंडल एवं कार्यसमिति सदस्य उपस्थित थे। एमबीडीडी संयोजक विनोद कोठारी एवं चेतन मांडोत का विशेष सहयोग रहा ।

विमलनाथ जैन मंदिर में हुआ जय तिहुअण महापूजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुलोचनाश्री की निश्रा में जय तिहुअण महापूजन हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। दादावाड़ी ट्रस्ट के अन्तर्गत एक सौ चालीस सदस्यों के जय तिहुअण तप चल रहा है। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष निर्भयलाल गुलेच्छा और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सभी तपस्वियों की सुख साता पूछी और सभी का स्वागत किया। सभी तपस्यार्थियों के अनुमोदनार्थ इस महापूजन का आयोजन दादावाड़ी में रखा गया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि इस महापूजन के लाभार्थी प्रेमलतादेवी सज्जनसिंह खटोड़ परिवार वाले थे। ललित डाकलिया ने कहा कि इस महास्तोत्र की रचना पूर्व खरतर गच्छाचार्यश्री अभयदेवसूरीश्वर जी ने श्री सेढी नदी के तट पर की थी और इसकी सतरहवीं गाथा की रचना के समय श्री स्तंभन पार्श्वनाथ प्रगट हुए और अभयदेव सूरी जी के समस्त रोग मिट गए थे। इस महापूजन का विधिविधान तुषार गुरुजी द्वारा करवाया गया जिसमें जिनदत्त कुशल सूरी जैन संगीत मंडल के सदस्यों द्वारा भक्ति गीत प्रस्तुत किए गए। साध्वीश्री प्रियकल्पनाश्रीजी ने परमात्मा स्तंभन पार्श्वनाथ का प्रगटीकरण का दृश्य का वर्णन किया। सुशीलादेवी बहादुरकुमार कांकरिया द्वारा परमात्मा का प्रकटीकरण किया गया। महापूजन की व्यवस्था श्री जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा मंडल के सदस्यों ने संभाली। इस महापूजन में दादावाड़ी ट्रस्ट के उपाध्यक्ष तेजराज मालानी, कोषाध्यक्ष रनजीत ललवानी एवं अन्य सदस्य उपस्थित थे। जय तिहुअण तप के तपस्यार्थियों के अनुमोदनार्थ स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में जिनदत्त कुशलसूरी जैन सेवा मंडल द्वारा जीवदया कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने बताया कि जीवदया निमित्त दो विभिन्न गौशालाओं में गायों के लिए हरा चारा, गुड़ डाला गया। इस जीवदया कार्यक्रम में अनिल भडकतिया, ललित डाकलिया, भरत कोठारी, कुनाल मरलेचा, गौतम कोठारी, हितेंद्र चौपड़ा, राजेन्द्र कोठारी, अंकित गुलेच्छा आदि सदस्यों ने सेवा प्रदान की।

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com